Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 124 | शनिवार, 09 मई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

पश्चिम बंगाल में आज से भाजपा सरकार सुवेंदु अधिकारी होंगे प्रदेश के नए मुख्यमंत्री

पश्चिम बंगाल में आज शपथ लेगी भाजपा की पहली सरकार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत दर्ज करने के बाद सुवेंदु अधिकारी प्रदेश के नए मुख्यमंत्री होंगे। कोलकाता में कन्वेंशन सेंटर में आयोजित विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। बैठक के बाद अमित शाह ने उनके नाम का ऐलान किया। अब वह शनिवार को शपथ लेंगे। बताया जा रहा है कि बंगाल में दो डिप्टी सीएम भी बनाए जाएंगे। इसके लिए अग्निमित्रा पॉल और निसिथ प्रमाणिक का नाम लिया जा रहा है। हालांकि कुछ सूत्र डिप्टी सीएम पद के लिए रूपा गांगुली का भी नाम ले रहे थे। उधर सीएम पद के लिए नाम फाइनलहोने के बाद शुक्रवार शाम को सुवेंदु राज्यपाल से मिले और सरकार बनाने का दावा पेश किया।

कोलकाता में हुई भाजपा विधायक दल की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ ही सुनील बंसल, अमित मालवीय, बिप्लब देब, निशित प्रमाणिक, अग्निमित्रा पॉल और शंकर घोष मौजूद रहे। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि बंगाल की जनता ने पीएम मोदी पर भरोसा किया है। मैं हाथ जोडकर राज्य की जनता को धन्यवाद देता हूं। हिंसा के बीच राज्य की जनता ने प्रचंड जनादेश दिया है। बंगाल में भाजपा की सरकार बनाने के लिए 321 देवतुल्य कार्यकताओं ने बलिदान दिया है। अब गंगा से गंगासागर तक भाजपा की सरकारें हैं। हमें विनम्रता से जिम्मेदारी निभानी होगी। बता दें कि रविंद्र जयंती के मौके पर शनिवार सुबह 10 बजे ब्रिगेड परेड ग्राउंड में बंगाज की नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा।

पदभार संभालते ही एक्शन में स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार, बोले- ईमानदारी से काम करूंगा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। जेडीयू नेता निशांत कुमार ने शुक्रवार को बिहार के नए स्वास्थ्य मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया और राज्य की स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करने का संकल्प लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद निशांत कुमार ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने का प्रयास करूंगा। मैं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की कोशिश करूंगा। जेडीयू सांसद संजय कुमार झा ने भी निशांत कुमार के पार्टी में शामिल होने पर टिप्पणी करते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने उन्हें (अपने बेटे निशांत कुमार को) इक्कीस साल तक राजनीति में नहीं लाया। जब उन्होंने स्वयं मुख्यमंत्री पद छोड़ा, तो पार्टी के लोगों को लगा कि उनकी जरूरत है, इसलिए वे पार्टी में शामिल हुए और काम शुरू किया। लेकिन जब तक वे बिहार के मुख्यमंत्री रहे, मुझे नहीं लगता कि बिहार के लोग निशांत जी को ठीक से जानते भी थे। स्वास्थ्य विभाग में निशांत कुमार की नियुक्ति के संबंध में झा ने कहा कि मुझे विश्वास है कि उनके नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग में अच्छा काम होगा। यह इतना बड़ा राज्य है और इसकी जनसंख्या भी बहुत अधिक है, इसलिए यहाँ उत्कृष्ट कार्य होगा। गुरुवार को पटना के गांधी मैदान में आयोजित एक समारोह में बिहार सरकार का महत्वपूर्ण मंत्रिमंडल विस्तार हुआ, जिसमें वरिष्ठ सदस्यों और नए मंत्रियों सहित 32 मंत्रियों को मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया। यह विस्तार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) द्वारा बिहार में सरकार बनाने के बाद हुआ है, जिसमें मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मजबूत चुनावी जनादेश के बाद प्रशासनिक ढांचे को और मजबूत किया है।

क्या लीक हो गया नए केरल मुख्यमंत्री का नाम? कांग्रेस ऑब्जर्वर का फाइल हो रहा वायरल

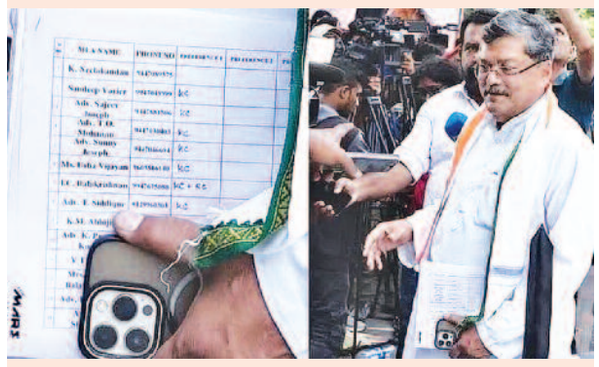

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के नेतृत्व वाले एलडीएफ ने केरल में एक दशक से अधिक समय बाद बहुमत हासिल कर लिया है और सरकार बनाने की राह पर अग्रसर है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिक गई हैं कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। खबरों के मुताबिक, कई नामों पर चर्चा हुई है, जिनमें केरल कांग्रेस के प्रमुख नेता वी डी सतीशान और कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल शामिल हैं। और अगर भाजपा की केरल इकाई द्वारा साझा की गई सूची को देखें, तो ऐसा लगता है कि पार्टी ने अपना उम्मीदवार चुन लिया है। तस्वीर में कांग्रेस विधायक दल की परामर्श बैठक के दौरान एआईसीसी पर्यवेक्षक मुकुल वासनिक के पास मौजूद एक दस्तावेज दिखाया गया है। इसे भाजपा केरलम के आधिकारिक पेज पर साझा किया गया है। तस्वीर साझा करते हुए, बीजेपी केरलम ने पर लिखा कि मतदान की स्याही अभी सूखी भी नहीं है और कांग्रेस की 'लालच की संस्कृति' केरल का दम घोंट रही है। राज्य में शासन की प्रतीक्षा जारी है, वहीं कांग्रेस के 'नेता' पोस्टर युद्ध छेड़ने, विधायकों की सूचियां लीक करने और मुख्यमंत्री पद के लिए मतगणना में व्यस्त हैं। बीजेपी इकाई ने आगे कहा, जो पार्टी सड़क पर विरोध प्रदर्शन किए बिना मुख्यमंत्री का चुनाव भी नहीं कर सकती, वह इस राज्य का नेतृत्व करने के योग्य कभी नहीं हो सकती। लीक हुई सूची में संदीप वारियर, सजीव जोसेफ, टी ओ मोहनन, सनी जोसेफ, उषा विजयन और टी सिद्दीकी सहित कई विधायकों के नाम के अंत में 'केसी' लिखा हुआ था, जिसे केरल के मुख्यमंत्री पद की दौड़ में कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल के समर्थन के रूप में देखा जा रहा है। आई सी बालकृष्णन के नाम के आगे कथित तौर पर 'केसी+आरसी' लिखा गया था, जिसमें आरसी को वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला के संदर्भ में देखा जा रहा है, जो इस पद के लिए एक अन्य दावेदार हैं। हालांकि, उडुमा विधायक के नीलकांतन ने दावा किया कि एआईसीसी पर्यवेक्षकों मुकुल वासनिक और अजय माकन को अपनी प्राथमिकता बताने के बावजूद सूची में उनके नाम के आगे का स्थान खाली छोड़ दिया गया था।

25 दिनों की लुका-छिपी के बाद मुख्य आरोपी निदा खान गिरफ्तार, मलेशिया तक जुड़े हैं तार निदा खान की गिरफ्तारी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) की नासिक स्थित BPO यूनिट में हुए यौन उत्पीड़न और कथित धर्मांतरण के सनसनीखेज मामले में पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पिछले 25 दिनों से फरार चल रही निलंबित कर्मचारी निदा खान को विशेष जांच टीम (SIT) ने छत्रपति संभाजी नगर से गिरफ्तार कर लिया है। निदा खान पर आरोप है कि उसने न केवल मुख्य आरोपियों की मदद की, बल्कि महिला कर्मचारियों पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव भी बनाया। पिछले महीने, नासिक में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) से जुड़ी एक BPO यूनिट के बारे में चौंकाने वाले आरोप सामने आए थे, जिसमें कर्मचारियों ने कुछ स्टाफ सदस्यों पर यौन उत्पीड़न, मानसिक शोषण और धर्मांतरण की कोशिशों का आरोप लगाया था। इन शिकायतों के बाद, पुलिस ने कई टीमें बनाईं और खान का पता लगाने के लिए पूरे राज्य में तलाशी अभियान शुरू किया।

दा खान पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और कथित तौर पर बलात्कार तथा यौन शोषण के मामलों में आरोपी लोगों की मदद करने का आरोप है। जांचकताओं ने यह भी आरोप लगाया है कि उसने शिकायतकताओं में से एक को इस्लाम अपनाने के लिए प्रभावित करने की कोशिश की और पीड़ितों को आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने से हतोत्साहित किया। खान ने अग्रिम जमानत के लिए नासिक की एक अदालत में अर्जी दी थी, लेकिन इस महीने की शुरूआत में उसकी अर्जी खारिज कर दी गई। सुनवाई के दौरान, अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया कि हिरासत में पूछताछ जरूरी है, क्योंकि जांच में डिजिटल सबूत, गवाहों के बयान और नासिक से बाहर तक फैले कथित संबंध सामने आए हैं। नासिक पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (SIT) ने अदालत को बताया था कि खान ने कथित तौर पर एक शिकायतकर्ता को कुछ खास धार्मिक रीति-रिवाजों से परिचित कराया, उसे हिजाब और बुर्का पहनने के लिए प्रोत्साहित किया, और उसके साथ धार्मिक सामग्री तथा मोबाइल एप्लिकेशन साझा किए। अभियोजन पक्ष ने आगे दावा किया कि शिकायतकर्ता का नाम बदलने की योजना थी और सह-आरोपियों ने कथित तौर पर पीड़िता से जुड़े जरूरी दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए थे। SIT ने अदालत को यह भी बताया कि जांच का दायरा बढ़ गया है और अब मालेगांव, यहाँ तक कि मलेशिया से संभावित संबंधों की भी जांच की जा रही है, जहाँ कथित तौर पर नौकरी के अवसरों का इस्तेमाल प्रलोभन के तौर पर किया गया हो सकता है।

पुलिस ने पहले उन जगहों पर छापा मारा था जहाँ निदा खान के छिपे होने का शक था, यह जानकारी उसके पति से पूछताछ के बाद मिली थी। हालाँकि, अधिकारियों को वे जगहें बंद मिलीं, जबकि खान और उसके कुछ रिश्तेदारों के मोबाइल फोन कथित तौर पर बंद थे। निदा खान के वकील ने पहले अदालत को बताया था कि वह गर्भवती है और गिरफ्तारी से सुरक्षा मांगते हुए मुंबई में रह रही है। बचाव पक्ष ने तर्क दिया था कि महाराष्ट्र में धर्मांतरण विरोधी कोई विशेष कानून नहीं है और जबरदस्ती धर्मांतरण के आरोपों से इनकार किया था।

TCS नासिक मामले के बारे में

यह विवाद नासिक में TCS से जुड़ी एक BPO यूनिट के इर्द-गिर्द घूमता है, जहाँ कई महिला कर्मचारियों ने पिछले कुछ सालों में अपने सीनियर सहकर्मियों और टीम लीडर्स पर यौन उत्पीड़न, छेड़छाड़, धार्मिक उत्पीड़न और जबरदस्ती धर्म परिवर्तन की कोशिश के आरोप लगाए हैं। 18 से 25 साल की उम्र की महिलाओं द्वारा लगाए गए इन आरोपों में छेड़छाड़, बिना मजी के छूना, अश्लील टिप्पणियाँ, पीछा करना, शादी का झांसा देकर यौन शोषण करना और उनकी निजी ज़िंदगी और बच्चे पैदा न कर पाने की क्षमता को लेकर बार-बार ताने कसना शामिल है। कुछ शिकायतकताओं ने आरोप लगाया कि उन पर नमाज पढ़ने का दबाव डाला गया, हिजाब और बुर्का पहनने के लिए उकसाया गया, और जबरदस्ती मांसाहारी खाना खिलाया गया; जाँचकताओं के मुताबिक ये सब धर्म परिवर्तन की कोशिशें थीं। FIR में यह आरोप भी लगाया गया है कि काम की जगह पर हिंदू देवी-देवताओं का अपमान किया गया और हिंदू धार्मिक रीति-रिवाजों के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियाँ की गईं। एक शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी कर्मचारियों ने डरा-धमकाकर और हेर-फेर करके यौन संबंध बनाने की कोशिश की, जबकि एक अन्य आरोपी, तौसीफ अत्तर पर आरोप है कि उसने एक सहकर्मी के साथ यौन संबंध बनाने से पहले शादी का वादा किया था। पुलिस के मुताबिक, कई कर्मचारियों के खिलाफ कम से कम नौ FIR दर्ज की गई हैं, जिनमें दानिश शेख, तौसीफ अत्तर, रजा मेमन, शाहरुख कुरैशी, शफी शेख, आसिफ अंसारी और अन्य शामिल हैं।

ऑपरेशन गैंग बस्ट 2.0 के तहत दिल्ली पुलिस ने समय रहते नाकाम की बड़ी साजिश, 48 घंटे तक चली धरपकड़ में 482 लोग गिरफ्तार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से कथित रूप से जुड़े शहजाद भट्टी मॉड्यूल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ऐसे नेटवर्क का खुलासा किया है, जो उत्तर भारत में कई संवेदनशील स्थानों पर हमलों की साजिश रच रहा था। जांच एजेंसियों के अनुसार इस मॉड्यूल का उद्देश्य धार्मिक स्थलों, सुरक्षा बलों और सार्वजनिक स्थानों को निशाना बनाकर दहशत फैलाना और व्यापक नुकसान पहुंचाना था। पुलिस ने इस अभियान के दौरान नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि कई राज्यों में एक साथ छापेमारी कर हथियार, नकदी और अन्य आपत्तिजनक सामान भी बरामद किया गया है। सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में पता चला है कि मॉड्यूल की हिट लिस्ट में दिल्ली का एक ऐतिहासिक मंदिर, दिल्ली सोनीपत राजमार्ग पर स्थित एक लोकप्रिय ढाबा और हरियाणा के हिसार में स्थित सैन्य शिविर शामिल थे। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने इन स्थानों की रेकी कर वहां की तस्वीरें और वीडियो पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं तक पहुंचाए थे। दिल्ली पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई 'ऑपरेशन गैंग बस्ट 2.0' के तहत की गई। यह अभियान मंगलवार से बृहस्पतिवार तक लगातार 48 घंटे चला, जिसके दौरान दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में एक हजार चौदह स्थानों पर छापेमारी की गई। इस व्यापक अभियान में कुल चार सौ बयासी लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई संगठित अपराध गिरोहों और पाकिस्तान समर्थित नेटवर्क के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा थी। विशेष प्रकोष्ठ के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद सिंह कुशवाह ने बताया कि कार्रवाई का मुख्य लक्ष्य उन अपराधियों और उनके सहयोगियों को पकड़ना था, जो पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर शहजाद भट्टी के इशारों पर काम कर रहे थे। जांच एजेंसियों का दावा है कि शहजाद भट्टी सोशल मीडिया के जरिये युवाओं और अपराधियों की भर्ती कर उन्हें देश विरोधी गतिविधियों में शामिल करता था।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत ने सुनाया किस्सा, जब जज ने कहा- कमरे से बाहर निकलो

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने शुक्रवार को न्यायिक सेवा परीक्षा के प्रश्नपत्र के पुनर्मूल्यांकन की मांग करने वाले एक अधिवक्ता द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान अपने प्रारंभिक कानूनी जीवन से जुड़ा एक व्यक्तिगत किस्सा साझा किया। उन्होंने इस अनुभव का उपयोग न्यायपालिका में करियर बनाने के इच्छुक युवा विधि उम्मीदवारों को सलाह देने के लिए किया। उन्होंने युवा उम्मीदवारों को छोटी-मोटी असफलताओं से निराश न होने और बड़े लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखने की सलाह दी। सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान, मुख्य न्यायाधीश ने सुझाव दिया कि याचिकाकर्ता को वर्तमान याचिका पर जोर देने के बजाय भविष्य में उच्च न्यायिक सेवा परीक्षा में बैठने पर विचार करना चाहिए।

अपने स्वयं के जीवन के अनुभवों को याद करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे कानून के अंतिम वर्ष के छात्र रहते हुए भी उन्होंने न्यायिक सेवा में शामिल होने की इच्छा रखी थी। अगली बार उच्च न्यायिक सेवाओं के लिए आवेदन करें। लेकिन मैं आपको एक बात बताना चाहता हूँ, कि आपको इस पर जोर क्यों नहीं देना चाहिए,' मुख्य न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने समझाया कि जब उन्होंने न्यायिक सेवाओं के लिए आवेदन किया था, तब अंतिम वर्ष के छात्र परीक्षा में बैठने के पात्र थे। हालांकि, परिणाम घोषित होने से पहले, भर्ती प्रक्रिया में बदलाव हुए। ये बदलाव सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले के बाद हुए, जिसमें उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य करने का निर्देश दिया गया था, जिनकी राय लोक सेवा आयोग पर बाध्यकारी होगी। मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि उस दौरान वे पहले ही उच्च न्यायालय में पेश होने लगे थे, जहाँ साक्षात्कार समिति के वरिष्ठतम न्यायाधीशों में से एक उनके काम से परिचित थे। उस मुलाकात को याद करते हुए उन्होंने बताया कि न्यायाधीश ने साक्षात्कार के लिए उपस्थित उम्मीदवारों की सूची में उनका नाम देखा था।

मुख्य न्यायाधीश ने याद करते हुए कहा कि एक दिन उन्होंने मुझे अपने कक्ष में बुलाया और पूछा, 'क्या आप न्यायिक अधिकारी बनना चाहते हैं?

तमिलनाडु का सस्पेंस खत्म, विजय ने सौंपा 121 विधायकों का समर्थन पत्र

राज्यपाल ने दिया सरकार बनाने का न्योता, आज शपथ संभव

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर चार दिन से जारी राजनीतिक सस्पेंस खत्म हो गया है। टीवीके चीफ और एक्टर विजय मुख्यमंत्री बनेंगे।

राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने विजय को सरकार बनाने की मंजूरी दे दी है। विजय शनिवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। विजय ने शुक्रवार को लोकभवन में लगातार तीसरे दिन राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। उन्होंने राज्यपाल को 121 विधायकों के समर्थन का पत्र सौंपा। इस पत्र में विजय की पार्टी के 107 विधायक, कांग्रेस के पांच, सीपीआई एम के दो, सीपीआई के दो, वीसीके के दो, आईयूएमएल के दो और एएमएम के एक विधायक समर्थन की बात कही गई थी। इससे पहले विजय ने छह और सात मई को भी सरकार बनाने का दावा पेश किया था, लेकिन राज्यपाल ने कहा कि 118 विधायकों का समर्थन दिखाए बिना वे सरकार बनाने के लिए आमंत्रित नहीं कर सकते। इससे पहले बहुमत के लिए जूझ रहे टीवीके को शुक्रवार को उस समय सुकून मिला, जब दोनों वामदलों ने उसे बाहर से समर्थन देने की घोषणा की।

वामपंथी दलों भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और माकपा ने यह समर्थन बिना किसी शर्त के नहीं दिया है। वामपंथी दलों ने टीवीके को समर्थन देने के पीछे की बड़ी वजह सार्वजनिक कर दी है। साथ ही विजय की पार्टी को सख्त मैसेज भी दिया है। सीपीआई और सीपीआई (एम) ने साफ कहा है कि उन्होंने टीवीके को समर्थन भाजपा को सत्ता समीकरण से दूर रखने और एआईएडीएमके को समर्थन देने के डीएमके के प्रस्ताव का विरोध करने के लिए दिया।

सीपीआई नेता एमए बेबी ने कहा कि डीएमके चाहती थी कि वाम दल एआईएडीएमके को समर्थन दें और वे खुद बाहर से समर्थन देकर सरकार बनवाएं। यह सीपीएम और सीपीआई के लिए स्वीकार्य नहीं था। इसलिए हमने डीएमके से अलग रास्ता चुना और उनके बहुमत जुटाने से पहले टीवीके को समर्थन दे दिय। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वाम दलों का वैचारिक और राजनीतिक रिश्ता डीएमके के साथ जारी रहेगा। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि टीवीके को केवल बाहरी समर्थन दिया जाएगा और सरकार में किसी मंत्री पद या कैबिनेट हिस्सेदारी की मांग नहीं की जाएगी। इसके अलावा सीपीआईएम नेता वीरपांडियन का बयान राजनीतिक रूप से बेहद महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है।

उन्होंने कहा कि वाम दलों ने टीवीके को भाजपा को तमिलनाडु में रोकने के उद्देश्य से समर्थन दिया है, न कि किसी राजनीतिक समझौते के तहत। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि विजय भविष्य में भाजपा के करीब जाते हैं या उसके साथ गठबंधन करते हैं, तो सीपीआई उनका खुलकर विरोध करेगी। वीरपांडियन के इस बयान को तमिलनाडु की राजनीति में भाजपा के बढ़ते प्रभाव को लेकर वाम दलों की चिंता के तौर पर देखा जा रहा है।

संपादक की कलम से

प्रकृति की मूक चीख

ललित शर्मा
संपादक

प्रकृति की गोद में रची-बसी भारतीय धरती आज भी जैव-विविधता के अनगिनत रहस्यों को अपने भीतर समेटे हुए है, और आधुनिक वैज्ञानिक खोजें लगातार यह साबित कर रही हैं कि यह खजाना अभी पूरी तरह सामने नहीं आया है। हाल ही में खोजी गई पौध प्रजाति यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि हमारे पारिस्थितिक तंत्र में अभी भी अनेक अनदेखे रहस्य मौजूद हैं।

यह खोज केवल एक नई वनस्पति की पहचान नहीं, बल्कि यह संकेत है कि भारत के वन, पर्वतीय क्षेत्र और सूक्ष्म आवास विज्ञान के लिए निरंतर नए द्वार खोल रहे हैं। राष्ट्रीय जैव-विविधता रिपोर्ट में ऐसी खोजों की बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि पर्यावरणीय अनुसंधान अब अधिक गहराई और विस्तार के साथ आगे बढ़ रहा है। मरुस्थल जैसी कठोर परिस्थितियों में भी जीवन की सूक्ष्म संभावनाएँ कितनी समृद्ध हो सकती हैं, यह यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस की खोज स्पष्ट रूप से दर्शाती है। यह दुर्लभ पौधा आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साई जिले के निगिडी वन क्षेत्र में ग्रेनाइट चट्टानों के बीच लगभग 450 से 550 मीटर की ऊँचाई पर पाया गया है, जहाँ अत्यंत कठिन जलवायु परिस्थितियाँ मौजूद हैं। फिर भी यह प्रजाति अपनी विशिष्ट जैविक संरचना के बल पर जीवित है और पर्यावरण के साथ अद्भुत संतुलन स्थापित करती है। इसकी पत्तियों और तनों की बनावट जल संरक्षण की अत्यंत उन्नत क्षमता प्रदान करती है, जिससे यह शुष्क क्षेत्रों में भी टिकाऊ बनी रहती है। इसी असाधारण अनुकूलन क्षमता के कारण यह पौधा वैज्ञानिकों के लिए एक महत्वपूर्ण और गहन अध्ययन का विषय बन चुका है। वैज्ञानिक अनुसंधानों की बढ़ती गति ने भारत की जैव-विविधता को नए आयामों में उजागर करना प्रारंभ कर दिया है। राष्ट्रीय जैव-विविधता रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक दशक में सैकड़ों नई पौध प्रजातियाँ दर्ज की गई हैं, जो यह स्पष्ट करती हैं कि भारत केवल सांस्कृतिक रूप से ही नहीं, बल्कि जैविक दृष्टि से भी अत्यंत समृद्ध देश है। राष्ट्रीय जैव-विविधता रिपोर्ट और बॉटेनिकल सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार, पिछले एक दशक में भारत में हजारों नई पौध प्रजातियों का दस्तावेजीकरण किया गया है। केवल वर्ष 2024 में ही 410 से अधिक नई प्रजातियाँ दर्ज की गईं। इनमें अनेक प्रजातियाँ औषधीय गुणों से युक्त हैं, जो भविष्य में चिकित्सा विज्ञान के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती हैं। ये निरंतर हो रही खोजें प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और उनके संतुलित उपयोग की आवश्यकता को और अधिक अनिवार्य बना देती हैं। इन दुर्लभ पौधों का अध्ययन अब केवल जैव-विज्ञान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को समझने का आधार बन गया है। यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस जैसी प्रजातियाँ दर्शाती हैं कि छोटे-से-छोटे आवासों में भी जीवन के सूक्ष्म और जटिल चक्र सक्रिय रहते हैं। यदि इन संवेदनशील क्षेत्रों में मानवीय हस्तक्षेप बढ़ता रहा, तो अब तक अनदेखी जैव-विविधता गंभीर रूप से प्रभावित या विलुप्त हो सकती है। इसलिए वैज्ञानिक ऐसे क्षेत्रों की सतत निगरानी और संरक्षण पर विशेष जोर दे रहे हैं। यह प्रजाति अत्यंत दुर्लभ है; लगभग 2.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में केवल करीब 80 पौधे ही पाए गए हैं। ग्रेनाइट खनन और जंगल की आग इसके अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। विस्तृत जैव-भौगोलिक परिदृश्य में फैले पश्चिमी घाट, पूर्वोत्तर भारत और दक्कन पठार आज नई प्रजातियों की खोज के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। हर वर्ष यहाँ होने वाली नई पहचानें यह स्पष्ट करती हैं कि वनस्पति और जीव-जगत का एक बड़ा हिस्सा अभी भी विज्ञान की वर्तमान समझ से बाहर है।

ज्ञान के मंदिर पर बाजार का कब्जा

डॉ विजय गर्ग
लेखक

आज का विद्यालय केवल ज्ञान का मंदिर नहीं रह गया है; उसकी चौखट पर बाजार खड़ा दिखाई देता है—सजधज कर, आकर्षक पैकेजिंग के साथ, और अपने विस्तार की असीम संभावनाओं के साथ। कभी शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति के सर्वांगीण विकास, नैतिकता और समाज निर्माण से जुड़ा था, परंतु अब धीरे-धीरे यह एक 'सेवा' से 'उत्पाद' में बदलती जा रही है। इस परिवर्तन ने शिक्षा के मूल स्वरूप को चुनौती दी है, और यह प्रश्न उठाया है कि क्या हम वास्तव में सीख रहे हैं, या केवल खरीद रहे हैं? विद्यालयों के बाहर कोचिंग संस्थानों, गाइड पुस्तकों, डिजिटल ऐप्स और निजी ट्यूशन का जाल फैल चुका है। यह पूरा तंत्र बच्चों और अभिभावकों को यह विश्वास दिलाता है कि बिना इन 'अतिरिक्त साधनों' के सफलता संभव नहीं। परिणामस्वरूप, स्कूल में होने वाली पढ़ाई का महत्व घटने लगता है। छात्र कक्षा में उपस्थित तो रहते हैं, पर उनका ध्यान अक्सर उस 'बाजार' की ओर होता है जो उन्हें तेज, आसान और सुनिश्चित सफलता का वादा करता है। बाजार की यह घुसपैठ केवल शैक्षणिक सामग्री तक सीमित नहीं है। आज स्कूलों में ब्रांडेड यूनिफॉर्म, महंगे बैग, विशेष किताबें, और अनिवार्य गतिविधियों के नाम पर अतिरिक्त शुल्क—ये सब मिलकर शिक्षा को महंगा और असमान बना रहे हैं। शिक्षा का अधिकार तो सबको है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अब धीरे-धीरे केवल उन लोगों तक सीमित होती जा रही है जो इसे 'अफोर्ड' कर सकते हैं। इससे समाज में एक नया वर्ग विभाजन उत्पन्न हो रहा है—शिक्षा आधारित असमानता। डिजिटल क्रांति ने भी इस बाजार को और मजबूत किया है। ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म, एड-टेक कंपनियाँ और वर्चुअल क्लासेस ने शिक्षा को तकनीकी रूप से उन्नत तो बनाया है, लेकिन इसके साथ ही शिक्षा का व्यावसायीकरण भी बढ़ा है। विज्ञापन यह बताते हैं कि 'स्मार्ट लर्निंग' ही सफलता की कुंजी है, जबकि वास्तविकता यह है कि तकनीक केवल एक माध्यम है, लक्ष्य नहीं। इस परिदृश्य में सबसे अधिक प्रभावित होता है—शिक्षक और छात्र का संबंध। शिक्षक, जो कभी मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत हुआ करता था, अब कई बार केवल एक 'सेवा प्रदाता' के रूप में देखा जाने लगता है। वहीं छात्र, जो जिज्ञासु और खोजी होना चाहिए, वह अंकों और रैंकिंग के दबाव में अपनी मौलिकता खोने लगता है। शिक्षा का मानवीय पहलू धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। यह भी सच है कि बाजार पूरी तरह नकारात्मक नहीं है। उसने शिक्षा में प्रतिस्पर्धा, नवाचार और संसाधनों की उपलब्धता को बढ़ाया है। लेकिन जब बाजार का उद्देश्य केवल लाभ कमाना हो जाए, और शिक्षा का उद्देश्य पीछे छूट जाए, तब समस्या उत्पन्न होती है। संतुलन का अभाव ही सबसे बड़ी चुनौती है। आवश्यकता इस बात की है कि हम शिक्षा को फिर से उसके मूल उद्देश्य से जोड़ें। स्कूलों को केवल परीक्षा परिणामों का केंद्र न बनाकर, उन्हें विचार, संवाद और सृजन का मंच बनाना होगा। सरकार, शिक्षण संस्थानों और समाज को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि शिक्षा सुलभ, समावेशी और मूल्य आधारित बनी रहे। अभिभावकों को भी इस भ्रम से बाहर निकलना होगा कि अधिक खर्च का अर्थ बेहतर शिक्षा है। बच्चों को यह समझाना होगा कि सीखना एक प्रक्रिया है, न कि कोई उत्पाद जिसे खरीदा जा सके। शिक्षकों को भी अपने भूमिका को पुनः परिभाषित करना होगा—वे केवल पाठ पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि जीवन के मार्गदर्शक हैं।

शिक्षा का 'कमर्शियलाइजेशन': एक कड़वी सच्चाई

आधुनिक स्कूलों में अब केवल पढ़ाई नहीं बिकती, बल्कि सुविधाओं का एक पूरा 'पैकेज' बिकता है। स्कूल अब एक शैक्षणिक संस्थान कम और एक कॉर्पोरेट ऑफिस ज्यादा नजर आते हैं।

एडमिशन का खेल: भारी-भरकम 'डोनेशन' और 'डेवलपमेंट फीस' के नाम पर अभिभावकों की जेबों पर डाका डाला जा रहा है।

यूनिफॉर्म और किताबों का एकाधिकार: अधिकांश स्कूलों ने अब अपनी चौखट के भीतर ही दुकानें खोल ली हैं। जूते, मोजे, टाई से लेकर कॉपियों तक, सब कुछ स्कूल द्वारा निर्धारित दुकान से ही लेना अनिवार्य है, जो बाजार भाव से कहीं अधिक महंगी होती हैं।

ईवेंट्स और दिखावा: 'एनुअल फंक्शन' और 'स्पोर्ट्स डे' अब प्रतिभा निखारने के बजाय स्कूल की भव्यता दिखाने के विज्ञापन बन गए हैं।

भीतर सिमटती शिक्षा

जैसे-जैसे बाजार का प्रभाव बढ़ा है, शिक्षा का मूल स्वरूप संकुचित होता गया है।

ज्ञान बनाम ग्रेड्स: आज की शिक्षा का पैमाना 'बच्चे ने क्या सीखा' से बदलकर 'बच्चे ने कितने प्रतिशत अंक पाए' पर टिक गया है। शिक्षा अब चहुंमुखी विकास के बजाय एक रैंक-बनाने वाली मशीन बनकर रह गई है।

शिक्षकों की स्थिति: एक शिक्षक, जिसका कार्य अध्यापन था, अब वह मार्केटिंग, डेटा एंट्री और फीस कलेक्शन जैसे गैर-शैक्षणिक कार्यों में उलझा दिया गया है। जब शिक्षक ही बोझ तले दबा होगा, तो शिक्षा की गुणवत्ता का गिरना स्वाभाविक है। **कोचिंग कल्चर का उदय:** विडंबना देखिए कि स्कूल की भारी फीस भरने के बाद भी बच्चा 'कोचिंग' जाने को मजबूर है। यह इस बात का प्रमाण है कि स्कूल के भीतर की शिक्षा छात्र की जरूरतों को पूरा करने में अक्षम साबित हो रही है।

इसका समाज पर प्रभाव

यह 'बाजारीकरण' समाज में एक गहरी खाई पैदा कर रहा है। शिक्षा अब अधिकार नहीं, बल्कि एक विलासिता बनती जा रही है। 'जब शिक्षा एक उत्पाद बन जाती है, तो छात्र एक ग्राहक बन जाता है। और ग्राहक को संतुष्ट करना तो आसान है, लेकिन एक नागरिक को शिक्षित करना कठिन।' पैसे के दम पर खरीदी गई डिग्रियां डिब्बों में बंद कागज के टुकड़ों जैसी हैं। इनसे कौशल और नैतिकता गायब हैं। यदि शिक्षा का उद्देश्य केवल पैसा कमाना रह गया, तो हम एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं जो आर्थिक रूप से समृद्ध तो हो सकती है, लेकिन मानसिक और चारित्रिक रूप से दरिद्र होगी। अंततः समय आ गया है कि हम रुककर सोचें। क्या हम अपने बच्चों को केवल एक 'उपभोक्ता' बनाना चाहते हैं या एक सजग इंसान? सरकार, समाज और अभिभावकों को मिलकर इस बाजारीकरण के खिलाफ आवाज उठानी होगी। स्कूल की चौखट से बाजार को बाहर धकेलना जरूरी है ताकि भीतर की शिक्षा को फिर से फैलने और पनपने का अवसर मिल सके। शिक्षा का उद्देश्य 'करियर' बनाना जरूर हो, लेकिन इसका आधार 'चरित्र' होना चाहिए। यह निर्णय हमें लेना है कि हम अपने स्कूलों को बाजार का विस्तार बनने देंगे या ज्ञान का केंद्र बनाए रखेंगे। यदि शिक्षा भीतर से सिमटती रही और बाजार बाहर से बढ़ता गया, तो हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ेंगे जहाँ डिग्रियाँ तो होंगी, पर ज्ञान का अभाव होगा। समय की मांग है कि हम इस प्रवृत्ति को पहचानें और शिक्षा को उसके असली स्वरूप—मानव विकास और सामाजिक उत्थान—की ओर वापस ले जाएँ।

पढ़ाई बढ़ी लेकिन स्किल क्यों नहीं बढ़ी?

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

आज का समाज एक अजीब विरोधाभास के दौर से गुजर रहा है। एक तरफ शिक्षा का स्तर पहले से कहीं अधिक ऊँचा दिखाई देता है—हर घर में बच्चे पढ़ रहे हैं, कोचिंग, ऑनलाइन क्लासेस और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे हैं, और परिणामस्वरूप अंक भी लगातार बेहतर हो रहे हैं। लेकिन दूसरी तरफ एक सवाल लगातार सिर उठाता है—क्या सच में हम सीख रहे हैं, या सिर्फ अंकों का संग्रह कर रहे हैं?

यह विडंबना केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की दिशा पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। स्कूल से लेकर कॉलेज तक बच्चों को एक ऐसी दौड़ में शामिल कर दिया गया है, जहाँ लक्ष्य केवल अच्छे अंक लाना, उच्च रैंक हासिल करना और अधिक से अधिक प्रमाणपत्र जुटाना रह गया है।

इस पूरी प्रक्रिया में 'सीखना' कहीं पीछे छूट गया है। बच्चे यह समझने लगते हैं कि सफलता का मतलब है परीक्षा में सही उत्तर लिख देना, न कि उस ज्ञान को जीवन में लागू कर पाना। इसी कारण आज हम ऐसे युवाओं को देखते हैं जो कागज पर बेहद सफल हैं, लेकिन वास्तविक जीवन की चुनौतियों के सामने असहज हो जाते हैं।

वे जटिल प्रश्न हल कर सकते हैं, लेकिन सरल समस्याओं के व्यावहारिक समाधान में अटक जाते हैं। आत्मविश्वास की कमी, निर्णय लेने में झिझक, और नई परिस्थितियों में खुद को ढालने की कमजोरी—ये सब उस शिक्षा का परिणाम हैं जो 'याद करने' पर अधिक और 'समझने' पर कम आधारित है।

हमारी शिक्षा प्रणाली लंबे समय से रटने की संस्कृति पर टिकी रही है। बच्चों को यह सिखाया जाता है कि कौन-सा प्रश्न कैसे आएगा और उसका उत्तर किस तरह लिखना है। इस प्रक्रिया में उनकी जिज्ञासा धीरे-धीरे खत्म हो जाती है।

वे सवाल पूछने से कतराने लगते हैं, क्योंकि उन्हें डर होता है कि कहीं वे 'गलत' न साबित हो जाएँ। रचनात्मकता और स्वतंत्र सोच, जो किसी भी समाज के विकास के लिए जरूरी होती है, इस दबाव में दब जाती है।

जब यही बच्चे उच्च शिक्षा पूरी कर नौकरी की दुनिया में प्रवेश करते हैं, तब वास्तविकता सामने आती है। कंपनियाँ केवल डिग्री नहीं, बल्कि कौशल चाहती हैं—समस्या को समझने की क्षमता, टीम के साथ काम करने का हुनर, संवाद कौशल, और परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की योग्यता।

लेकिन शिक्षा व्यवस्था ने उन्हें इन सबके लिए तैयार ही नहीं किया होता। यही कारण है कि डिग्री बढ़ने के बावजूद रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने में युवा पीछे रह जाते हैं। यह केवल बेरोजगारी का नहीं, बल्कि 'स्किल गैप' का संकट है।

इस पूरी प्रक्रिया का एक और गंभीर पहलू है—मानसिक दबाव। आज के छात्र पर अपेक्षाओं का बोझ बहुत अधिक है। परिवार, समाज और प्रतिस्पर्धा—तीनों मिलकर उस पर निरंतर दबाव बनाते हैं कि वह हर हाल में अच्छा प्रदर्शन करे।

लेकिन जब पढ़ाई का उद्देश्य स्पष्ट नहीं होता, तो यह दबाव धीरे-धीरे तनाव और भ्रम में बदल जाता है। बच्चे यह समझ ही नहीं पाते कि वे जो पढ़ रहे हैं, उसका उनके जीवन से क्या संबंध है।

असल में शिक्षा का उद्देश्य कभी केवल परीक्षा पास करना नहीं था। शिक्षा का अर्थ है व्यक्ति को जीवन के लिए तैयार करना—उसे सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता देना। यह उसे केवल जानकारी नहीं, बल्कि उस जानकारी का उपयोग करना सिखाती है। लेकिन जब शिक्षा केवल अंकों तक सीमित हो जाती है, तो वह अपने मूल उद्देश्य से भटक जाती है।

समस्या का समाधान भी इसी समझ में छिपा है। जब तक हम शिक्षा को केवल 'परिणाम' के रूप में देखेंगे, तब तक यह समस्या बनी रहेगी। जरूरत है कि हम प्रक्रिया पर ध्यान दें—कैसे बच्चे सीख रहे हैं, क्या वे वास्तव में समझ रहे हैं, क्या वे अपने ज्ञान को लागू कर पा रहे हैं। पाठ्यक्रम को ऐसा बनाया जाना चाहिए जो बच्चों को सोचने और प्रयोग करने के लिए प्रेरित करे। परीक्षा प्रणाली को इस तरह बदला जाना चाहिए कि वह केवल याददाश्त नहीं, बल्कि समझ और अनुप्रयोग को परखे।

शिक्षकों की भूमिका भी इस बदलाव में बेहद महत्वपूर्ण है। उन्हें केवल पाठ पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि मार्गदर्शक बनना होगा, जो बच्चों को सवाल पूछने, गलती करने और उससे सीखने के लिए प्रेरित करें। वहीं अभिभावकों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। बच्चों की सफलता को केवल अंकों से नहीं, बल्कि उनके कौशल, आत्मविश्वास और समझ से आंकना होगा।

डिजिटल युग ने सीखने के नए रास्ते खोले हैं, लेकिन इनका सही उपयोग तभी संभव है जब हमारे पास सीखने की सही दृष्टि हो। केवल जानकारी तक पहुँच होना पर्याप्त नहीं है, उसे समझना और उपयोग करना ही असली शिक्षा है।

अंततः यही बात सबसे महत्वपूर्ण है कि नंबर यह बताते हैं कि आपने कितना याद किया, लेकिन ज्ञान और कौशल यह बताते हैं कि आप क्या कर सकते हैं।

यदि हमारी शिक्षा प्रणाली इस अंतर को समझने में सफल हो जाती है, तो न केवल छात्रों का भविष्य बेहतर होगा, बल्कि समाज भी अधिक सक्षम और जागरूक बनेगा। आज जरूरत है इस सवाल को गंभीरता से पूछने की—क्या हम सच में शिक्षित हो रहे हैं, या सिर्फ शिक्षित दिखने की कोशिश कर रहे हैं? क्योंकि जब तक इस सवाल का ईमानदार जवाब नहीं मिलेगा, तब तक पढ़ाई बढ़ती रहेगी, लेकिन स्किल नहीं बढ़ेगी।

बदलते नजरिया

उदय किशोर साह

कविता

देखा है मैंने उनको भी अक्सर
इन सकरी गलियों में आते जाते
आँखों से नजरें मिलाते मुस्कराते
नजरें मिलने पे नजर झुका शरमाते

देखा है मैंने उस गुलशन की हसरत
कलियों को प्यार में नजाकत की बातें
मधुकर से नित्य ही मोहब्बत जताते
माली के आते देख पंखुड़ी में छुप जाते

देखा है मैंने उस आसमान पर रातों में
सितारों को चमकते और खिलखिलाते
बदरा जब बैरी बन आ जाता सामने
पवन के साथ बहक अंधेरी राते आते

देखा है मैंने उस पर्वत को जंगल में भी
सावन में श्रृँगार कर दुल्हन बन इतराते
पर पतझड़ के आते उस दुल्हन को
बैरागी बन वियोग में आँसू बहाते

देखा है मैंने उस पागल प्रेमी को भी
प्यार में धोखा खाकर मदिरालय जाते
पर प्रेमिका को तनिक . परवाह नही है
पति के में घर खुशी से सजाते संवारते

एक नाम, जिसमें पूरा जीवन सिमट जाता है: माँ

कृति आरके जैन
लेखिका

जब जीवन पहली बार ममता की छाया में सांस लेना सीखता है, तभी माँ का अर्थ समझ आता है। मई के दूसरे रविवार पर आने वाला यह दिन माँ के निस्वार्थ प्रेम और अथाह त्याग का वह उजाला है, जिसमें हमारे अस्तित्व का सच्चा अर्थ साफ दिखाई देता है। भारत समेत अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में मई के दूसरे रविवार को मनाया जाने वाला मदर्स डे (मातृ दिवस) औपचारिक नहीं, उस मूल शक्ति का सम्मान है जो हर जीवन की नींव है। माँ वह दीप है, जो स्वयं जलकर अंधकार हरती है, और वह आसमान है, जो हर तूफान समेट लेता है। सूरज बाद में उगता है, पर माँ का स्नेह पहले ही रास्ता दिखा देता है। इसलिए यह दिन किसी रिश्ते का नहीं, उस दिव्यता का उत्सव है, जिसमें सृजन, संरक्षण और समर्पण एक साथ बसते हैं। जहाँ शब्द रुक जाते हैं और समझ की सीमाएँ छोटी पड़ जाती हैं, वहीं माँ के प्रेम की असली गहराई शुरू होती है। विज्ञान भले बहुत आगे बढ़ जाए, पर इस अनुभूति को पूरी तरह समझ नहीं पाता। गर्भ में शिशु की पहली हलचल के साथ ही माँ के तन-मन में अद्भुत बदलाव आते हैं। ऑक्सीटोसिन जैसे हार्मोन उसे पीड़ा सहने की शक्ति देते हैं, पर यह सिर्फ शरीर का विज्ञान नहीं, आत्मा का स्पंदन है। रात-रात जागकर बच्चे की देखभाल करना, अपने हिस्से का भोजन त्याग देना—ये सामान्य नहीं, प्रेम की चरम अभिव्यक्ति हैं। भारतीय परंपरा में 'माता' वही है जो सहेजती है, संरक्षण देती है और स्वयं को समर्पित कर देती है। रामायण की कौशल्या से महाभारत की कुंती तक और आज की हर माँ तक, यह त्याग और समर्पण की धारा अनवरत बहती रही है। जब प्रेम अपनी अंतिम सीमा पार कर त्याग में ढल जाता है, तब माँ की ममता इतिहास नहीं, अमर सत्य बन जाती है। 1952 के कोरिया युद्ध की वह घटना आज भी संवेदनाओं को झकझोर देती है, जब एक माँ ने अपने नवजात को ठंड से बचाने के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया। बर्फ से जमे पुल के नीचे जन्मे उस शिशु को जीवित रखने के लिए उसने अपने शरीर की आखिरी गर्मी तक उसे ओढ़ा दी। वर्षों बाद जब उस बेटे को यह सच्चाई पता चली, तो उसकी पीड़ा हर संवेदनशील मन में गूंज उठी। यह कोई कथा नहीं, मातृत्व का वह कठोर सच है, जहाँ माँ खुद मिटकर भी जीवन बचा लेती है। इसलिए माँ की कोई तुलना संभव नहीं – वह हर उपमा से परे है। जब बाहरी जगमगाहट बढ़ती है और भीतर की गर्माहट कम होने लगती है, तब माँ का मौन संघर्ष और गहरा हो जाता है। वह घर की सीमाओं से परे, समय और समाज के हर दबाव से लड़ते हुए बच्चों का भविष्य गढ़ती है। कभी अपने सपनों और करियर को पीछे रखकर, तो कभी बीमारी में भी मुस्कान के साथ वह हर जिम्मेदारी निभाती है। कठिन परिस्थितियों में भी बच्चों की सुरक्षा उसका अडिग संकल्प रहता है। वर्षों की मेहनत से उन्हें सफलता दिलाना और अपनी पीड़ा छुपाकर उनके सपने पूरे करना—यही माँ की पहचान है। वह सच में ऐसी योद्धा है, जो बिना हथियार हर लड़ाई जीत लेती है। जब भावनाएँ बाजार की चमक में सिमटती हैं, तब मातृ-दिवस का अर्थ धुंधला पड़ जाता है। समय के साथ यह अवसर उपहारों, कार्डों और औपचारिकताओं तक सीमित हो गया है, जबकि इसकी आत्मा कहीं गहरी है। मातृ-दिवस की पहल करने वाली अन्ना जार्विस ने इसके व्यावसायीकरण पर खेद जताया था। उनका मानना था कि माँ के प्रति सच्चा सम्मान एक दिन नहीं, बल्कि रोजमर्रा के व्यवहार में झलकता है। माँ के साथ बिताए गए सच्चे पल, उसकी बातों को ध्यान से सुनना और उसकी भावनाओं को समझना ही वास्तविक श्रद्धांजलि है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि माँ के प्रति कृतज्ञता कोई क्षणिक भावना नहीं, बल्कि जीवनभर निभाया जाने वाला भाव है। जहाँ से भविष्य की दिशा तय होती है, वहाँ माँ की छाप सबसे गहरी होती है। वह सिर्फ परिवार की धुरी नहीं, बल्कि राष्ट्र की असली नींव है। एक शिक्षित और जागरूक माँ अपने बच्चों के साथ समाज को भी सही राह दिखाती है। खेतों से शहरों तक, अनगिनत माताएँ बिना वेतन और बिना विश्राम निरंतर राष्ट्र निर्माण में लगी हैं। उनका परिश्रम भले मौन हो, पर उसका प्रभाव असीम है। जब माँ अपनी बेटी को शिक्षित करती है, तो वह एक नहीं, कई पीढ़ियों को सशक्त बना देती है। इसलिए माँ की भूमिका इतनी विशाल है कि उसे शब्दों में पूरी तरह बाँध पाना संभव नहीं। जब कृतज्ञता शब्दों से आगे बढ़कर संकल्प बन जाती है, तभी मातृ-दिवस का अर्थ पूर्ण होता है। 10 मई 2026 हमें केवल उत्सव नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों को पहचानने का अवसर देता है। माँ के लिए एक स्नेहभरा फोन, उसके साथ बिताया गया थोड़ा-सा समय या एक सच्ची मुस्कान – ये छोटे कदम उसके जीवन में गहरी खुशी भर देते हैं। हमारा प्रयास होना चाहिए कि उसके चेहरे की मुस्कान कभी फीकी न पड़े और उसकी आँखों में आँसू न आएँ। क्योंकि माँ की प्रसन्नता ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है, और उसकी संतुष्टि से बड़ा कोई पुरस्कार नहीं। जब हर रिश्ता समय के साथ बदलता है, तब भी एक सत्य अडिग रहता है – माँ। उसका प्रेम वह सूक्ष्म धागा है, जो टूटे सपनों को फिर से जोड़ देता है और बिखरे जीवन को संवार देता है। 10 मई 2026 का यह मातृ-दिवस हमें याद दिलाता है कि हम उसी के अंश हैं, उसके त्याग और स्नेह का विस्तार हैं; उसके बिना हमारा अस्तित्व अधूरा है। इसलिए यह दिन केवल स्मरण का नहीं, संकल्प का है – उसके आदर्शों पर चलने का, उसके त्याग का सम्मान करने का और उसके प्रेम को जीवन का मार्ग बनाने का। जय माता दी – हर उस माँ के लिए, जो न थकती है, न हारती है, और सदैव अपने बच्चों के लिए दीपक बनकर जलती रहती है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

विश्व थैलेसीमिया दिवस पर रेड क्रॉस सोसाइटी के रक्तदान शिविर का जिलाधिकारी ने किया उद्घाटन

जिलाधिकारी ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लेने वाली पैरामेडिकल की छात्राओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु मेडल पहनाकर किया सम्मानित

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। विश्व थैलेसीमिया दिवस एवं रेड क्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में आज स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) के ब्लड सेंटर में एक विशेष स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य थैलेसीमिया जैसी गंभीर आनुवंशिक बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाना और स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना रहा। जिलाधिकारी ने रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया।

इस दौरान रेड क्रॉस सोसाइटी के हर्षल सिंह और सौरभ अग्रवाल ने सर्वप्रथम रक्तदान कर युवाओं को प्रेरित किया। शिविर में कुल 11 रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया एवं प्रशस्ति पत्र व मेडल पहनाकर सम्मानित किया। रक्तदान से बच सकता है थैलेसीमिया रोगियों का जीवन-जिलाधिकारी ने कहा कि थैलेसीमिया एक गंभीर वंशानुगत विकार है, जिसमें मरीजों को जीवित रहने के लिए जीवनभर नियमित रक्त की आवश्यकता होती है। उन्होंने समाज से अपील की कि इन रोगियों के जीवन को सुरक्षित बनाने के लिए स्वैच्छिक रक्तदान हेतु आगे आएं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि ऐसे आयोजनों से थैलेसीमिया बाल सेवा योजना जैसे कार्यक्रमों को बल मिलता है, जिससे मरीजों को बेहतर परामर्श और उपचार मिल पाता है। पोस्टर मेकिंग के लिए छात्राएं सम्मानित- जागरूकता अभियान के तहत आज जागरूकता, कल स्वस्थ भविष्य का संदेश दिया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. विभूति गोयल और अन्य विशेषज्ञों ने समय पर जांच और आनुवंशिक परामर्श के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लेने वाली पैरामेडिकल की छात्राओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित भी किया। अधिकारियों ने बताया कि संस्थान द्वारा आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के लिए ऐसे जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) में भर्ती मरीज श्यामसुंदर के स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अस्पताल में मरीज के परिवारजनों के वार्ता की। परिवारजनों द्वारा बताया गया कि पहले से उनके स्वास्थ्य में अब सुधार है। जिलाधिकारी ने डॉक्टरों को निर्देशित करते हुये कहा कि मरीज को और बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर करने की आवश्यकता हो तो अवगत कराया जाये। इस दौरान मेडिकल कॉलेज की प्राचार्या डॉ. संगीता अनेजा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में वाइस प्रिंसिपल व मीडिया प्रभारी डॉ. अरुण सिंह, रेड क्रॉस सोसाइटी के राज्य प्रतिनिधि डॉ. अमिताभ अग्निहोत्री, प्रभारी डॉ. परिक्षित सिंह, डॉ. प्रदीप शेखावत, डॉ. अमृता और तकनीशियन दिग्विजय, सुखवीर भदौरिया, सहित कई स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के वर्तमान में स्व जनगणना के बारे में लोगों को जागरूक किया

मुख्य अतिथि के रूप में लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचे पूरनपुर विधायक बाबू राम पासवान ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह खंड विकास अधिकारी जिला पंचायत राज्य अधिकारी

लुकमान खान

पीलीभीत/पूरनपुर(वेलकम इंडिया)। आज ग्राम पंचायत सुल्तानपुर में मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना द्वारा निर्मित हाट बाजार, ग्राम पंचायत बांगर में मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना द्वारा निर्मित पंचायत पुस्तकालय एवं केंद्र वित्त आयोग द्वारा ग्राम पंचायत सचिवालय का कायाकल्प तथा राष्ट्रीय ग्रामीण स्वराज अभियान द्वारा निर्मित पंचायत लर्निंग सेंटर एवं जन सेवा केंद्र का लोकार्पण माननीय विधायक बाबूराम पासवान एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह द्वारा किया गया' उक्त कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी एवं जिला पंचायत राज्य अधिकारी द्वारा भी प्रतिभा किया गया।

ग्राम वासियों को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया गया साथ ही वर्तमान में स्व- जनगणना के बारे में लोगों को जागरूक किया गया उक्त दोनों कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सुल्तानपुर की ग्राम प्रधान जगवत्ता देवी, ग्राम पंचायत बागर की ग्राम प्रधान मुन्नी देवी एवं सहायक विकास अधिकारी पंचायत सचिव अवनीश गंगवार, ग्राम पंचायत अधिकारी अतुल गंगवार, मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार वर्मा, मंडल संयोजक रामराखन शर्मा, गन्ना समिति डायरेक्टर नितिन दिक्षित, ग्राम पंचायत बंजरिया के ग्राम प्रधान गुरुदेव सिंह, एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

तहसील कलीनगर के ग्राम नौरंगाबाद में राजस्व विभाग ने लगाए तूंदे शिकायत कर्ता ने उखाड़ कर फेंकने के लगाए आरोप

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। कलीनगर उपजिलाधिकारी के आदेश के बाद दिनांक 5.5.2026 को गई राजस्व टीम हल्का लेखपाल व कानूनगो की मौजूगी में ग्राम नौरंगबाद में गाँटा सं0 रकबा 106/2 0.7040 हे0 में बेनीराम का खेत स्थित हैं 5.5.2026 दिन मंगलवार को जो टीम ने मौके पर जाके 2 तूंदे लग बाये और बाकी तूंदा लगाने पर कड़ा विरोध किया और लगे तुदे उखाड़ के फेक दिये और पड़ोसी खेत वाले द्वारिका व उनके पुत्र अमर सिंह. हुकुम सिंह.सुरधीर सिंह.शेर सिंह संतोष सिंह ने पीड़ित व्यक्ति बेनीराम वा उनके बेटा जितेन्द्र व राजेंद्र कुमार से गाली गलौच की गई और जान से मारने की धमकी दी इस सम्बन्ध में थाना प्रभारी मांधोटांडा में लिखित प्रार्थना पत्र जब देने पहुंचे बंहा मौजूद थाना प्रभारी ने कहा की लेखपाल की रिपोर्ट लगबा के लाओ तहसील कलीनगर हल्का लेखपाल जिसमे 5 से 6 दिन अभी तक हो चुके हैं कानूनगो व लेखपाल द्वाराअभी तक कोई रिपोर्ट नहीं लगाई गई हैं अब देखना यह हैं की पीड़ित व्यक्ति मांधो टांडा थाना तहसील कलीनगर के ऐसे चक्कर काट ता रहेगा या फिर आगे कोई कार्यवाही भी होंगी प्राथी बेनीराम व उनके पुत्र गण मोहल्ला साहूकारा पूरनपुर नगर के निवासी हैं कलीनगर उपजिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है।

यूनिवर्सल एकेडमी में मनाया गया मदर्स डे बच्चों ने अपने अपने तरीकों से जताया माँ के प्रति स्नेह

नितिन शर्मा

बिजनौर(वेलकम इंडिया)। यूनिवर्सल एकेडमी बिजनौर में 8 मई को मातृ दिवस मनाया गया। कार्यक्रम विद्यालय प्रधानाचार्य डॉ अनुज त्यागीजी एवं उप प्रधानाचार्या खुशबू कर्णवाल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय प्रबंधक राकेश कर्णवाल, अपर्णा कर्णवाल, प्रधानाचार्य डॉ अनुज त्यागी एवं उप प्रधानाचार्या खुशबू कर्णवाल ने भगवान गणेश जी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से की।

इसके बाद गणेश वंदना की प्रस्तुति दी गई। सर्वप्रथम विद्यालय में आयोजित किए गए। छोटे- छोटे बच्चों द्वारा अपने माता पिता के स्वागत में स्वागत गीत गाया गया। बच्चों ने अपने माता पिता के स्वागत में नृत्य, गीत व लघु नाटिका आदि विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

बच्चों ने इन कार्यक्रमों में अपने अपने तरीकों से अपनी माँ के प्रति प्यार व माँ की महिमा को बताया। इसके साथ ही इस अवसर पर बच्चों के लिए कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता, फोटो फ्रेम प्रतियोगिता, चित्र कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और इन गतिविधियों के माध्यम से माँ के प्रति अपने प्रेम और सम्मान को व्यक्त किया। इसके अलावा विभिन्न प्रतियोगिताएं फन गेम्स और नृत्य आदि में माताओं ने प्रतिभाग किया। माताओं के द्वारा किए गए ये कार्यक्रम मुख्य आकर्षण रहे।

इन कार्यक्रमों में लकी ड्रॉ के आधार पर विजेताओं को मदर्स डे बैज व उपहार देकर सम्मानित किया गया। गेम्स में विजेता को उपहार देकर सम्मानित किया गया। उपहार पाकर सभी माताएं भावुक दिखी और स्कूल प्रबंधन की प्रशंसा की। कार्यक्रम में मंच संचालन कक्षा चार के अथर्व, आकृति और कक्षा तीन की इनाया, ज्येष्ना ने रीना मैडम की देख रेख में किय। कार्यक्रम एक्टिविटी इंचार्ज अभिलाष एवं अनिता चौधरी की देख रेख में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रधानाचार्य डॉ अनुज त्यागी ने सबको मातृ दिवस की बधाई दी और सबका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि माँ का हमारे जीवन मे बहुत बड़ा महत्व है। हमें सदैव माँ का सम्मान एवं सेवा करनी चाहिए। उप प्रधानाचार्या खुशबू कर्णवाल ने माँ अपने बच्चों और परिवार की खुशियों के लिए सब कुछ त्याग देती है अतः हमें मां का सम्मान करना चाहिए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी कोऑर्डिनेटर फराह, अनीता, रूपाली डांस शिक्षक ओम , संगीत शिक्षक नितिन, संजय, फाइन आर्ट विभाग नितिन प्रज्ञा सभी कक्षा शिक्षकों का योगदान रहा। इस तरह कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

सीएमओ के आदेशों की अनदेखी! बीसलपुर सीएचसी अधीक्षक की कार्यशैली पर उठे सवाल

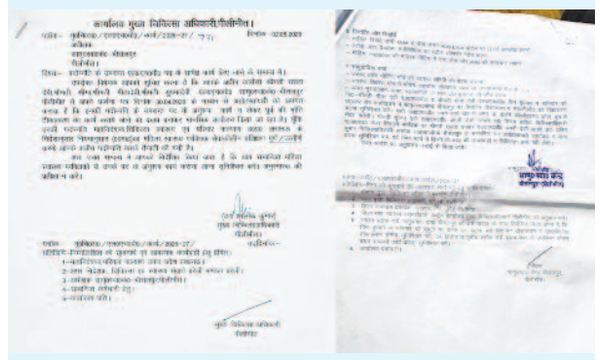

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जनपद पीलीभीत के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीसलपुर में प्रशासनिक कार्यशैली को लेकर विवाद गहराता नजर आ रहा है। मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) कार्यालय, पीलीभीत द्वारा जारी आदेश में महिला स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों को उनकी पदोन्नति के अनुरूप कार्य सौंपने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन आरोप है कि इन आदेशों का पालन धरातल पर नहीं हो रहा है। जानकारी के अनुसार, महिला स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों ने शिकायत दर्ज कराई थी कि पदोन्नति मिलने और आवश्यक सेवाकालीन प्रशिक्षण पूरा करने के बावजूद उनसे पूर्व की भांति टीकाकरण एवं अन्य पुराने कार्य कराए जा रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि इससे उन पर अनावश्यक दबाव बन रहा है और मानसिक उत्पीड़न जैसी स्थिति उत्पन्न हो रही है। मुख्य चिकित्साधिकारी आलोक कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीसलपुर को स्पष्ट निर्देश दिए कि संबंधित महिला स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों से उनके नए पद के अनुरूप ही कार्य लिया जाए तथा उन्हें पुराने कार्यों के लिए बाध्य न किया जाए। इसके बावजूद कर्मचारियों का आरोप है।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती आज

लुकमान खान

पीलीभीत/पूरनपुर(वेलकम इंडिया)। क्षत्रिय करणी सेना के पीलीभीत जिला अध्यक्ष ठाकुर रविन्द्र सिंह के नेतृत्व में आज महाराणा प्रताप चौक पूरनपुर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती बहुत ही धूमधाम के साथ मनाई जाएगी ' पूरनपुर नगर में स्टेशन चौराहा पर स्थित महाराणा प्रताप चौक पर आज बहुत ही भव्य तरीके से महाराणा प्रताप सिंह जी की जयंती क्षत्रिय करणी सेना के सभी कार्यकर्ताओ एवं पूरनपुर नगर वासियों के साथ मिलकर मनाई जाएगी जो कि पूरनपुर नगर वासियों के लिए सौभाग्य की बात है की महाराणा प्रताप चौक पर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती आज मनाई जाएगी और पूरनपुर नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता द्वारा आज समय दोपहर 2:00 बजे महाराणा प्रताप चौक पर मूर्ति स्थापना और सौंदर्य करण को लेकर आज शिलान्यास कराया जाएगा ' इससे युवाओं को बहुत कुछ सीखने का भी सौभाग्य प्राप्त होगा ' महाराणा प्रताप एक महान राजपूत योद्धा थे जिन्होंने मेवाड़ की रक्षा के लिए मुगल बादशाह अकबर के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

उनका जन्म 9 मई, 1540 को कुम्भलगढ़, राजस्थान में हुआ था। उन्होंने हल्दीघाटी के युद्ध में अकबर की सेना का सामना किया और अपनी वीरता का परिचय दिया । महाराणा प्रताप की जयंती 9 मई को मनाई जाती है, जो उनकी जन्म तिथि है। उन्होंने अपने जीवन में कई युद्ध लड़े और मेवाड़ को मुगल साम्राज्य से बचाया। उनकी मृत्यु 29 जनवरी, 1597 को हुई थी। ऐसे वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती को सभी पूरनपुर नगर वासियों एवं क्षेत्र वासियों को बडी धूमधाम के साथ मनाना चाहिए ' और क्षत्रिय करणी सेना के जिला अध्यक्ष ठाकुर रविन्द्र सिंह ने आज सभी सनातनी भाइयों से प्रोग्राम में आने का आग्रह किया है की सभी लोग अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती के कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाने में मदद करें ।

रेड क्रॉस दिवस पर दिव्यांग शिविर आयोजित

नितिन शर्मा

बिजनौर(वेलकम इंडिया)। रेडक्रास सोसायटी जनपद बिजनौर द्वारा रेडक्रास दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी बिजनौर परिसर में दिव्यांग शिविर व क्षयरोगियों हेतु पोषण पोटली वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चेयरमैन टीकम सिंह सेंगर द्वारा एवं संचालन योगेंद्र पाल सिंह योगी मिडिया प्रभारी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के जिला अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौहान बोबी ने अपने संबोधन में रेडक्रास सोसायटी की प्रसंशा करते हुए कहा कि रेडक्रास सोसायटी जनपद में दिव्यांग विभाग व स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर दिव्यांग शिविर, रक्तदान व ग्रामीण क्षेत्रों स्वास्थ्य शिविर लगाने जैसा उत्कृष्ट कार्य कर रही है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि नर सेवा नारायण सेवा को ध्येय मानकर सोसायटी कार्य करती रहेगी। आज आयोजित कार्यक्रम में 50 क्षय रोगियों को स्वास्थ्य वर्धक पोटली का वितरण जिला अध्यक्ष भाजपा व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा कौशलेंद्र सिंह द्वारा किया गया। शिविर में एक सौ दो दिव्यांगो चिन्हित किया गया जिन्हें बाद ट्राइसाइकिल, हेयरिंग मशीन व अन्य सहायक उपकरण ऐलिको के माध्यम से निशुल्क प्रदान किए जाएंगे।

कार्ययोजना गठन के सम्बन्ध में एक महत्वपूर्ण बैठक राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। गांधी सभागार,में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत निर्माण कार्यों की कार्ययोजना गठन के सम्बन्ध में एक महत्वपूर्ण बैठक राज्यमंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें, उत्तर प्रदेश, संजय सिंह गंगवार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद की विभिन्न विधानसभाओं हेतु प्रस्तावित निर्माण एवं मरम्मत कार्यों के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की गयी।बैठक में विवेक वर्मा, विधायक, बीसलपुर, बाबूराम पासवान, विधायक, पूरनपुर, विधायक, बरखेड़ा प्रतिनिधि हरेन्द्र कुमार, ज्ञानेन्द्र सिंह, जिलाधिकारी, पीलीभीत, राजेन्द्र कुमार श्रीवास, मुख्य विकास अधिकारी, पीलीभीत, राजेश चौधरी, अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, पीलीभीत, एस0के0 जैन, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड-1, लोक निर्माण विभाग, पीलीभीत सहित लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियन्ता एवं अवर अभियन्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान राज्यमंत्री द्वारा लोक निर्माण विभाग के अभियन्ताओं को निर्देशित किया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना का गठन पूर्ण पारदर्शिता एवं जनप्रतिनिधियों के समन्वय के साथ किया जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के प्रस्ताव सम्बन्धित विधायक से प्राप्त किये जायें तथा प्रस्तावों का मिलान संबंधित विधानसभा के विधायक से कराने के उपरान्त ही अंतिम कार्ययोजना तैयार की जाये। राज्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिये कि किसी भी विधानसभा क्षेत्र की कार्ययोजना में अन्य विधानसभा क्षेत्र के मार्गों को सम्मिलित न किया जाये, जिससे कार्यों का निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में क्षेत्रीय आवश्यकताओं एवं जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाये। इसके अतिरिक्त राज्यमंत्री ने समस्त अधिशासी अभियन्ताओं को निर्देशित किया कि जनपद के किसी भी विधानसभा क्षेत्र में कोई भी क्षतिग्रस्त मार्ग कार्ययोजना से वंचित न रह जाये। सभी अभियन्ता मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति के आधार पर प्रस्ताव तैयार करें तथा क्षतिग्रस्त एवं जर्जर मार्गों को प्राथमिकता के आधार पर कार्ययोजना में सम्मिलित करें, जिससे आमजन को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो सके। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि कार्ययोजना निर्माण में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाये तथा शासन की मंशा के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ सम्पन्न कराया जाये।

दो बाइकों की भीषण भिड़ंत में युवक-युवती लहूलुहान, टक्कर मारकर बाइक छोड़ भागा आरोपी

लुकमान खान

पीलीभीत/पूरनपुर(वेलकम इंडिया)। कलीनगर-पूरनपुर मार्ग पर स्थित सिंह सभा गुरुद्वारा के पास उस वक्त चीख-पुकार मच गई, जब तेज रफ्तार दो मोटरसाइकिलों के बीच आमने सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में एक बाइक पर सवार युवक और युवती गंभीर रूप से घायल हो गए और सड़क पर ही तड़पने लगे। दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी कि टकराने वाली दूसरी बाइक का चालक कानूनी कार्रवाई के डर से अपना वाहन मौके पर ही छोड़कर रफूचक्कर हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। मिली जानकारी के अनुसार, कोतवाली पूरनपुर क्षेत्र के ग्राम तकिया दिनारपुर के समीप यह हादसा घटित हुआ। सड़क के मोड़ पर हीरो स्प्लेंडर यूपी 26 ए एस 4282 और दूसरी स्प्लेंडर यूपी 26 एयू 8797 के बीच सीधी भिड़ंत हुई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि टक्कर होते ही युवक और युवती उछलकर सड़क पर जा गिरे, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्काल मदद के लिए हाथ बढ़ाया, लेकिन दूसरी बाइक का चालक भीड़ का फायदा उठाकर अपनी मोटरसाइकिल एक पेड़ के पास छोड़कर फरार हो गया। घायल युवक और युवती कलीनगर क्षेत्र के पिपरिया गांव के निवासी बताए जा रहे हैं, जो किसी काम से पूरनपुर की ओर जा रहे थे।दुर्घटना के काफी देर बाद तक घायल सड़क पर ही पड़े मदद का इंतजार करते रहे, जिसके बाद किसी सजग नागरिक ने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी।

बच्चों का जीवन निर्माण शिक्षक के हाथः वडेरा

सांसियों का तला विद्यालय में बाल जीमण का हुआ आयोजन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बाड़मेर राजस्थान। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सांसियों का तला में लायंस क्लब बाड़मेर की ओर से लाभार्थी परिवार के सौजन्य से लायंस क्लब अध्यक्ष गौतमचन्द डूंगरवाल एवं वरिष्ठ लायंस व समाजसेवी किशनलाल वडेरा की उपस्थिति में शुक्रवार को बाल जीमण का कार्यक्रम आयोजित हुआ। बाल जीमण में विद्यालय के 160 बच्चे शामिल हुए।

स्टेट अवार्डी शिक्षक मुकेश बोहरा अमन ने बताया कि विद्यालय में शुकव्रार को लायंस क्लब की प्रेरणा से लाभार्थी परिवार द्वारा बाल जीमण कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें 160 बच्चों को मिठाई सहित स्वादिष्ट भोजन करवाया गया। बाल जीमण आयोजन पर विद्यालय परिवार की ओर से लायंस क्लब व भामाशाह परिवार का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया। लायंस क्लब अध्यक्ष गौतमचन्द डूंगरवाल ने कहा कि लायंस क्लब की प्रेरणा से समय-समय पर विभिन्न विद्यालयों में अलग-अलग तरह की गतिविधियों का आयोजन होता रहता है। जिसमें सांसियों का तला विद्यालय में समय के साथ सकारात्मक व प्रगतिशील बदलाव आये है, जो प्रेरणादायी व अनुमोदनीय है। डूंगरवाल ने कहा कि बच्चों के लिए बाल जीमण के लिए लाभार्थी परिवार का योगदान प्रशंसनीय है, हम सब उनकी खूब-खूब अनुमोदना करते है। लायंस क्लब के वरिष्ठ सदस्य व समाजसेवी किशनलाल वडेरा ने कहा कि बच्चे ईश्वर का स्वरूप होते है, इन कोमल व नवांकुर को सही शिक्षा देते हुए देश के बेहतर नागरिक बनाने का सबसे बड़ा जिम्मा शिक्षक पर है। वडेरा ने कहा कि बच्चों के जीवन निर्माण का सबसे बड़ा दरोमदार शिक्षक के हाथ में है। इस दौरान लायंस क्लब अध्यक्ष गौतमचन्द डूंगरवाल, समाजसेवी किशनलाल वडेरा, प्रधानाध्यापिका श्रीमती गुंजन आचार्य, मुकेश बोहरा अमन, राजेश जोशी, उषा जैन, चन्द्रकला सिहाग, सीमा शर्मा, प्रियंका राठौड़ सहित पोषाहार वर्कर व बच्चे उपस्थित रहे।

देश के विकास का आधार है जनगणना : महापौर

जनमंच में पार्षदों व निगम कर्मचारियों को करायी गयी डिजीटल स्व-गणना

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। जनगणना-2027 के तहत आज जनमंच सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित कर पार्षदों व निगम कर्मचारियों को डिजीटल स्व-गणना करायी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर डॉ. अजय कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त/जिला जनगणना अधिकारी सलिल कुमार पटेल, उपसभापति मयंक गर्ग ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

महापौर डॉ. अजय कुमार ने जनगणना का विस्तार से महत्व समझाते हुए कहा कि जनगणना देश के विकास का आधार है। भविष्य में जो जनकल्याणकारी योजनाएं आनी है वह जनगणना के आधार पर ही तैयार की जायेंगी।

उन्होंने कहा कि सबको अपनी स्व-गणना अपने मोबाइल से करनी है, इसमें वैधानिक प्रावधान किया गया है कि किसी का डाटा कोई चुरा नहीं सकता, उसका कोई दुरुपयोग नहीं कर सकता। उन्होंने लोगों से अपनी पूरी ऊर्जा और स्वेच्छा के साथ स्व-गणना करने का आह्वान किया। नगरायुक्त शिपू गिरि ने भी जनगणना कार्य में लोगों से उत्साह के साथ भागीदारी करने की अपील की। अपर जिलाधिकारी/जिला जनगणना अधिकारी सलिल पटेल ने कहा कि जनगणना-2027 जनकल्याण की एक बड़ी गाइड लाइन है। उन्होंने बताया कि स्व-गणना पूरी तरह डिजीटल है, इसमें कोई पेपर वर्क नहीं है।

कोई भी व्यक्ति कहीं से भी अपने मोबाइल से स्व-गणना कर सकता है। उन्होंने स्व-गणना क्यों ? का उत्तर विस्तार से देते हुए कहा कि इससे दूरगामी लाभ प्राप्त होंगे। उन्होंने जनगणना को लेकर लोगों के बीच भ्रांतियों को दूर करते हुए जनगणना के सभी चरणों की विस्तार से जानकारी दी।

ए डी जनगणना आशुतोष ने पार्षदों व कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया और डिजीटल स्व-गणना करायी। उन्होंने स्क्रीन के माध्यम से प्रशिक्षण दिया और सभागार में उपस्थित सभी पार्षदों व कर्मचारियों को मोबाइल के माध्यम से डिजीटल स्व-गणना करायी।

उन्होंने एक-एक कर पूछे जाने वाले सभी 33 सवालों का जवाब कैसे देना है, इसे स्पष्ट कर समझाया। उन्होंने बताया कि पूरी जानकारी भरने के बाद व्यक्ति सबमिट करने से पहले अपने द्वारा भरी गयी जानकारी चैक कर सकता है।

इससे पूर्व अपर नगरायुक्त प्रदीप यादव, मुख्य अभियंता निर्माण सुरेश चंद, सहायक नगरायुक्त जेपी यादव, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी संगीता गुप्ता व कर निर्धारण अधिकारी श्रुति महेश्वरी ने अतिथियों को बुके भेंट कर उनका स्वागत व अभिनंदन किया। नगर जनगणना अधिकारी/अपर नगरायुक्त मृत्युंजय ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

संचालन डॉ. वीरेन्द्र आजम ने किया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम सहित सभी विभागों के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में पार्षदगण भी मौजूद रहे।

वन भूमि हस्तांतरण के लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण करें अधिकारी-डीएम

गोविन्द मेहता

बागेश्वर(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में वन भूमि हस्तांतरण के कारण लंबित मामलों की समीक्षा बैठक ली।

उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि सड़क एवं अन्य विकास कार्य वन भूमि हस्तांतरण के कारण प्रभावित न हों।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सीए लैंड के लंबित प्रस्तावों के निस्तारण हेतु उप जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर सभी मामलों का समाधान किया जाए। उन्होंने जनहित को प्राथमिकता देते हुए आवश्यकतानुसार सीए भूमि उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। साथ ही शासन, नोडल एवं भारत सरकार स्तर पर लंबित प्रस्तावों की नियमित मॉनिटरिंग एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा निरंतर फॉलोअप सुनिश्चित करने को कहा। जिन प्रस्तावों में आपत्तियां दर्ज हैं, उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए।

इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जिन विभागों की योजनाएं निरस्त हो चुकी हैं अथवा जिनका एलाइनमेंट कम हो गया है, उन्हें आवंटित सीए भूमि शीघ्र वापस की जाए। वन भूमि हस्तांतरण के लंबित मामलों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने एक समर्पित कार्मिक की तैनाती करने के निर्देश दिए, जो प्रतिदिन प्रकरणों की मॉनिटरिंग करेगा। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी आदित्य रत्ना ने बताया कि लोक निर्माण विभाग, पीएमजीएसवाई एवं पेयजल निगम से संबंधित वन भूमि हस्तांतरण के कुल 43 प्रस्ताव विभिन्न स्तरों पर प्रक्रिया में हैं।

इनमें 23 प्रस्ताव प्रस्तावक विभाग स्तर पर, 15 नोडल स्तर पर, 04 वन विभाग स्तर पर तथा 01 प्रस्ताव केंद्र सरकार स्तर पर लंबित है। इस दौरान अपर जिलाधिकारी एन एस नबियाल सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म का वांछित आरोपी गिरफ्तार, पॉक्सो एक्ट के तहत हुई कार्रवाई

राजीव कुमार

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। थाना सदर बाजार पुलिस ने नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे वांछित अभियुक्त कलीम को गिरफ्तार कर लिया है। मार्च 2026 में दर्ज हुए इस मामले में पुलिस ने पीड़िता को पहले ही बरामद कर लिया था, जबकि मुख्य आरोपी कलीम लगातार फरार चल रहा था। आज प्रभारी निरीक्षक कपिल देव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को कल्सिया रोड स्थित कब्रिस्तान के पास से दबोच लिया। गिरफ्तार अभियुक्त का पहले भी आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई पूरी कर आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया है।

विश्व रेड क्रॉस दिवस एवं विश्व थैलेसीमिया दिवस पर आयोजित हुआ स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

राजीव कुमार

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। विश्व रेड क्रॉस दिवस एवं विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर आज जिला अस्पताल ब्लड बैंक, सहारनपुर में फैमिली ऑफ ब्लड डोनर्स ट्रस्ट एवं रेड क्रॉस सोसाइटी सहारनपुर द्वारा संयुक्त रूप से एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों एवं अन्य गंभीर मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा समाज में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। शिविर में युवाओं, महिलाओं एवं समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसके परिणामस्वरूप 32 यूनिट रक्तदान किया गया।

वहीं 10 से अधिक इच्छुक रक्तदाता स्वास्थ्य मानकों के अनुसार रक्तदान नहीं कर सके, जिन्हें भविष्य में रक्तदान हेतु प्रेरित किया गया। शिविर का संयोजन फैमिली ऑफ ब्लड डोनर्स ट्रस्ट द्वारा किया गया। संस्थापक तरुण भोला ने कहा कि विश्व थैलेसीमिया दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हजारों बच्चे नियमित रक्त पर निर्भर हैं।

ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान केवल समाज सेवा नहीं बल्कि मानवता के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। संस्थापक सदस्य अर्जुन शर्मा एवं संरक्षक नीरू सिंह ने कहा कि रेड क्रॉस दिवस और रक्तदान का उद्देश्य एक ही है – मानव जीवन की रक्षा। यदि हर सक्षम व्यक्ति नियमित रूप से रक्तदान करे तो किसी भी मरीज को रक्त के अभाव में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। विनीत रामपाल एवं अंकित तनेजा ने कहा कि रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित प्रक्रिया है और इससे किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती।

कुछ मिनट का रक्तदान किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकता है। कुलबीर चौहान एवं विनीत चौहान ने कहा कि समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता लगातार बढ़ रही है।

युवाओं की भागीदारी यह साबित करती है कि नई पीढ़ी सामाजिक जिम्मेदारियों को समझते हुए आगे आ रही है। रचना एवं गुरमेहर सिंह ने कहा कि थैलेसीमिया जैसे रोगों से पीड़ित मरीजों के लिए नियमित रक्तदान अत्यंत आवश्यक है। ऐसे मानकों का पालन सुनिश्चित किया गया। रक्तदान शिविर में महिला पुरुष सभी ने संयुक्त रूप से भाग लिया।

मानक विहीन स्कूली वाहनों पर होगी सख्त कार्रवाई : एआरटीओ

अमेठी(वेलकम इंडिया)। शासन के निर्देशों के क्रम में शुक्रवार को सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय अमेठी में जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों के प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन विद्यालयों को विशेष रूप से शामिल किया गया जिनके द्वारा छात्र–छात्राओं के आवागमन हेतु परिवहन वाहनों का संचालन किया जाता है। बैठक के दौरान विद्यालयों में संचालित वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा एवं प्रदूषण प्रमाणपत्र की समीक्षा की गई। जिन वाहनों के आवश्यक प्रपत्र समाप्त पाए गए, उन्हें तत्काल पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही सभी विद्यालय वाहनों में वीएलटीडी, सीसीटीवी कैमरा, जीपीएस, अग्निशमन यंत्र एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरण अनिवार्य रूप से लगाए जाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक को संबोधित करते हुए महेन्द्र बाबू गुप्ता ने कहा कि जनपद में किसी भी स्थिति में मानक विहीन स्कूल वाहनों का संचालन नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने विद्यालय प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों से अपील करते हुए कहा कि सभी वाहन निर्धारित मानकों एवं नियमों के अनुरूप ही संचालित किए जाएं। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि स्कूल वाहनों का संचालन करने वाले चालकों का चरित्र सत्यापन पुलिस विभाग से तथा ड्राइविंग लाइसेंस का सत्यापन परिवहन विभाग से अनिवार्य रूप से कराया जाए। एआरटीओ ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी विद्यालय द्वारा निर्धारित समयावधि के भीतर वाहनों के प्रपत्र पूर्ण नहीं कराए जाते हैं तो संबंधित वाहनों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें सीज किया जाएगा। इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय प्रबंधन की होगी। बैठक में जिला बेसिक शिक्षा विभाग, उप सम्भागीय परिवहन कार्यालय अमेठी के कर्मचारी तथा जनपद के विभिन्न विद्यालयों के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

अतिरिक्त मैन-पॉवर एवं मशीनरी लगाकर कार्य को किया जाए पूर्ण

राजीव कुमार

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी श्री अरविंद कुमार चौहान द्वारा भूरादेव मन्दिर से माँ शाकम्भरी देवी के निकट पहाड़ी नदी पर मुख्य मन्दिर तक सेतु तथा पहुँच मार्ग एवं सुरक्षात्मक निर्माण कार्य का विस्तृत निरीक्षण किया। कार्य की प्रगति अत्यन्त धीमी होने के कारण सम्बन्धित कार्यदायी संस्था एवं ठेकेदार को विस्तृत कार्यक्रम का चार्ट बनाने के निर्देश दिए।

उन्होने कहा कि माइक्रो प्लान के साथ परियोजना को ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराया जाना सुनिनिश्चत करें। उन्होने निर्देश दिए कि अतिरिक्त मैन-पॉवर एवं मशीनरी स्थापित करते हुए कार्य में तेजी लाएं। निरीक्षण के दौरान उन्होने स्थल पर जाकर किए जा रहे कार्य को देखा एवं प्रगति को जाना। सेतु के निर्माण में वेल फाउण्डेशन के बारे में समस्त जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली। उन्होने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं होना चाहिए। इसके लिए संबंधित अधिकारी निरंतर स्थल का निरीक्षण करते रहें ताकि कोई लापरवाही न हो। इस अवसर पर प्रोजेक्ट मैनेजर सेतु निगम श्री सुधीर भारद्वाज सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

खनन माफिया इकबाल उर्फ बाला के दो गुर्गे गिरफ्तार, गवाह को धमकाने का आरोप

राजीव कुमार

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। मिजार्पुर थाना पुलिस ने खनन माफिया इकबाल उर्फ बाला के दो सक्रिय सहयोगियों, इक्लाख और सलमान को गिरफ्तार किया है।

इन पर ग्राम शफीपुर निवासी मेघराज को माफिया के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लेने के लिए डराने, जान से मारने की धमकी देने और जमीन पर अवैध कब्जे के प्रयास का आरोप है। एसएसपी सहारनपुर के निर्देश पर गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को ग्लोकल यूनिवर्सिटी के पास और दूसरे को तिहारा के पास से दबोचा। पुलिस ने दोनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया है।

व्यापारियों ने कमर्शियल सिलेंडर के बड़े हुए भाव को वापस लेने के लिए जिलाधिकारी को सोपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल सहारनपुर के पदाधिकारीयो ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन जिला अधिकारी को सोपा। व्यापारियों ने व्यावसायिक गैस सिलेंडर की उपलब्धता न होने के कारण कुटीर घरेलू मझीले उद्योग तथा होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, कैटरिंग व हवाईडेरी वाले तथा फेरी पर खाना-पीने का सामान बेचने वाले व्यक्तियों के कारोबार बंदी के कगार पर होने से उनके सामने भारी आर्थिक संकट पैदा हो गया है केंद्र सरकार द्वारा मई 2026 से कमर्शियल गैस का रेट अचानक 2080 रुपए से 977 प्रति सिलेंडर बढ़कर 3171 रुपए प्रति सिलेंडर कर दिया है। इसलिए सरकार से अनुरोध है कि केंद्र सरकार को निर्देशित करें कि वह गैस के विकल्प संस्थाओं की खोज के लिए अनुसंधान कमेटी का गठन करें जिससे महंगाई और कालाबाजारी को रोकने के लिए कमर्शियल गैस सिलेंडर की बढ़ाई गई कीमत तुरंत वापस लेने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाने के लिए केंद्र सरकार को निर्देशित करने की कृपा करें। विवाह-शादी व फंक्शन के लिए मांग अनुसार सिलेंडर उपलब्ध कराए जाने पर आदेश पारित करने की कृपा करें तथा अस्पतालों व स्कूलों को उनकी आवश्यकता अनुसार कमर्शियल गैस उपलब्ध कराई जाए। तथा गोदाम से गैस डिलीवरी लेने पर कंपनियों द्वारा एजेंसी को दिया गया भाड़ा कमर्शियल गैस सिलेंडर के बिलों में काम करने के आदेश पारित करने की कृपा करें जिसका लाभ उपभोक्ता को मिल सके।

ज्ञापन में उपस्थित पदाधिकारी सुनील राणा, अमित सिंघल, एकांश अग्रवाल, सौरभ रोहिल्ला, अर्णव अग्रवाल, बृजपाल सहगल, बृजमोहन सिंघल, यतेंद्र कुमार गुप्ता, सचिन रोहिल्ला, हिमांशु जैन, चेतन शर्मा व जिला मीडिया प्रभारी राहुल कुमार आदि उपस्थित रहे।

ग्राम जुल्हेंदी पहुंचे विधान परिषद सदस्य का ग्रामीणों ने किया स्वागत, धार्मिक प्रोग्राम में भाग लेने पहुंचे

वेलकम इंडिया ब्यूरो

मथुरा/गोवर्धन। विधान सभा परिषद लखनऊ के सदस्य डॉ सुरेंद्र चौधरी एक धार्मिक प्रोग्राम में भाग लेने गाँव जुलहेंदी पहुंचे जहाँ उनका भव्य स्वागत हुआ। डॉक्टर सुरेन्द्र चौधरी मथुरा वृंदावन के दो दिवसीय धार्मिक प्रोग्राम में भाग लेने आये। वह जुलहेंदी निवासी रमाकांत दीक्षित के ब्रज भूमि फार्म हॉउस पर पहुंचे जहाँ ग्रामीणों ने माला दुपट्टा पहना व गिर्राज महाराज की छवि चित्र भेंट कर उनका स्वागत सम्मान किया गया। ब्रज नगरी पहुंचने पर उन्होने कहा की ब्रज में आकर वह अपने आप को धन्य मानते है ब्रज दर्शन भाग्यशाली लोगों को ही प्राप्त होते हैं। सम्मान समारोह में जीतेन्द्र गौड, श्रीनाथ सिंघल राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीराम सेना डॉक्टर विजय दीक्षित गौरी शंकर कौशिक एडवोकेट रेखा रानी भरत कुमार गर्ग रामगोपाल इंजीनियर खेम चंद्र शिवम चौधरी पिंटी नेता सकरवा वाले पदम् आदि लोग मौजूद रहे।

निगम के गैराज को भी मिला आईएसओ 9001:2015 प्रमाण पत्र

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। नगर निगम सहारनपुर ने स्वच्छता और स्मार्ट गवर्नेंस की दिशा में एक और नयी उपलब्धि हासिल की है। निगम के गैराज विभाग को गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के लिए अंतरराष्ट्रीय मानक आईएसओ 9001: 2015 प्रदान किया गया है।

सहारनपुर नगर निगम का गैराज विभाग प्रदेश का पहला ऐसा गैराज है जिसे गुणवत्ता के आधार पर यह प्रमाण पत्र हासिल हुआ है। वरिष्ठ गैराज प्रभारी/अपर नगरायुक्त प्रदीप यादव व सहायक अभियंता/गैराज प्रभारी स्वप्निल जैन ने आईएसओ प्रमाण पत्र आज महापौर डॉ. अजय कुमार एवं नगरायुक्त शिपू गिरि को भेंट किया। सहायक अभियंता/गैराज प्रभारी स्वप्निल जैन ने बताया कि महापौर डॉ. अजय कुमार के मार्गदर्शन और नगरायुक्त शिपू गिरि के दिशा निर्देशन में गैराज विभाग द्वारा विभागीय कार्यों को अंतरराष्ट्रीय मानकों और एसओपी के अनुरूप ढालने के लिए कड़ा परिश्रम किया गया।

गैराज अनुभाग के समस्त कार्य जैसे वाहन मरम्मत, खरीद, इन्वेंट्री प्रबंधन और विशेष रूप से 'ऑनलाइन फ्यूल मैनेजमेंट' को एम.आई.एस.सॉफ्टवेयर के माध्यम से पूरी तरह पारदर्श बनाया गया है। ऑनलाइन इंडेंट और फ्यूल मैनेजमेंट की इस सुव्यवस्थित प्रणाली से विभाग के कार्यों में सटीकता और पारदर्शिता आई है।

नगरायुक्त शिपू गिरि ने बधाई देते हुए इस उपलब्धि का श्रेय गैराज की पूरी टीम को दिया। उन्होंने कहा कि आईएसओ प्रमाणन के साथ यह भी महत्वपूर्ण है कि हम अपनी सेवा से लोगों को कैसा अनुभव देते हैं। उन्होंने कार्पोरेट नेचर में गुणवत्ता को बनाये रखने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि 'स्मार्ट गैराज कम वर्कशॉप' में ऑटोमेटिक वाशिंग प्लांट, बायोमेट्रिक उपस्थिति और वाहनों की सुव्यवस्थित पार्किंग आदि व्यवस्थाओं को और अधिक श्रेष्ठ करना होगा, ताकि आईएसओ मानक के लिए प्रति वर्ष होने वाले ऑडिट में हम निरंतर आगे रहें।

महापौर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन यह सिद्ध करता है कि गैराज विभाग अब एक 'प्रोसेस ओरिएंटेड' और एसओपी आधारित प्रणाली पर काम कर रहा है। यह अंतरराष्ट्रीय मानक दशार्ता है कि विभाग अपनी कार्यप्रणाली, लीगल रजिस्टर, और केपीआई की निरंतर मॉनिटरिंग के माध्यम से जनता की सेवा हेतु प्रतिबद्ध है।

उन्होंने निगम अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह अंतर्राष्ट्रीय मानक निगम पर थोपे नहीं गए बल्कि निगम ने स्वयं अपने आपको मानकों के अनुरुप तैयार किया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम के प्रत्येक विभाग में गुणवत्ता बढ़े, यह लगातार प्रयास रहेगा।

महापौर ने जलकल, जन्म-मृत्यु, निर्माण व उद्यान आदि विभागों को भी प्रेरणा लेकर आईएसओ प्रमाण पत्र लेने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि देश तभी आगे बढेगा जब हम दूसरों से बेहतर काम करेंगे।

उपसभापति मयंक गर्ग ने कहा कि जो उपलब्धि प्राप्त हुई है उसे भविष्य में संवारकर और संभाल कर रखें। आईएसओ प्रमाण पत्र प्रदान करने वाली कंपनी सीओएई इंटरनेशनल की प्रमुख आरती घोसला ने कहा कि गैराज विभाग का ऑडिट करते हुए पाया गया कि यहां एसओपी के तहत अच्छा काम हो रहा है।

इस अवसर पर अपर नगरायुक्त मृत्युंजय, महाप्रबंधक निर्माण सुरेश चंद, महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार, सहायक नगरायुक्त जेपी यादव के अतिरिक्त अनेक पार्षद व निगम अधिकारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में लू प्रबंधन एवं हीट वेव से बचाव हेतु जनपद स्तरीय बैठक संपन्न हुई

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में हापुड़ में संभावित लू/हीट वेव की स्थिति के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं संबंधित विभागों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में लू से बचाव हेतु की जा रही तैयारियों, विभागीय कार्ययोजना एवं जनजागरूकता अभियान की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में समीक्षा के दौरान जिला आपदा विशेषज्ञ गजेन्द्र सिंह बघेल ने संबंधित विभागों द्वारा उपलब्ध करायी गयी कार्य-योजना के संबंध में जिलाधिकारी को अवगत कराते हुए लू-प्रबंधन के संबंध में विभागवार की जाने वाली कार्यवाही पर प्रस्तुतिकरण कर क्या करें क्या न करें एवं बढ़ती गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए विभागों द्वारा किये जाने वाले आवश्यक कार्यों पर चर्चा की। जिलाधिकारी द्वारा स्वास्थ्य विभाग को सभी अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों पर हीट स्ट्रोक से संबंधित दवाइयों, डफ्र पेयजल एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए।

नगर निकायों एवं पंचायती राज विभाग को सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल, छायादार स्थान एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। विद्युत विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने तथा किसी भी तकनीकी खराबी का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग को विद्यालयों में विद्यार्थियों को लू से बचाव संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने एवं अत्यधिक तापमान की स्थिति में शासनादेशानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।इस दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालयों में प्रार्थना के समय उपस्थित छात्रों को लू से होने वाली हानि के बारे में बताये जाने हेतु निर्देशित किया गया।बैठक में श्रमिकों, वृद्धजनों, बच्चों एवं अन्य संवेदनशील वर्गों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। कृषि एवं पशुपालन विभाग को किसानों एवं पशुपालकों को आवश्यक सावधानियों के संबंध में जागरूक करने हेतु कहा गया एवं सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए हीट वेव एक्शन प्लान के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया दी जाए। साथ ही जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं सूचना विभाग को सोशल मीडिया, प्रचार-प्रसार एवं अन्य माध्यमों से व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित करने के निर्देश दिए गए तथा स्वास्थ्य विभाग को आपदा मित्रों से समन्वय स्थापित करते हुए जगह-जगह ओ०आर०एस० का वितरण करना एवं आपदा मित्रों को पक्षियों एवं पशुओं हेतु जन सहयोग से पीने के पानी की व्यवस्था कराने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने जनसामान्य से अपील करते हुए कहा कि अत्यधिक गर्मी के दौरान अनावश्यक रूप से धूप में बाहर निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर तुरंत चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त करें एवं यदि आवश्यक न हो तो घरों/कार्यालयों/अस्पतालों/उंची इमारतों आदि में दिन के समय ए०सी० का प्रयोग कम से कम करें।बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०), मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत, नगर निकायों के अधिकारी, पंचायती राज विभाग, परिवहन विभाग, पुलिस विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, नागरिक सुरक्षा कोर से मोहित शर्मा, गजवीर सिंह, नवराज, अंकित एवं आपदा मित्र आरती, प्रभजोत, नीरज, हिमानी एवं अन्य उपस्थित रहे।

जूनियर हाईस्कूल चक कचनाल में चोरी, गैस सिलेंडर समेत अन्य सामान ले गए चोर

वेलकम इंडिया ब्यूरो

टाण्डा। भगतपुर क्षेत्र के ग्राम चक कचनाल स्थित जूनियर हाईस्कूल में गुरुवार रात्रि अज्ञात चोरों ने स्कूल के कार्यालय और रसोईघर का ताला तोड़कर गैस सिलेंडर, बर्तन तथा अन्य सामान चोरी कर लिया। घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह स्कूल खुलने पर हुई।

सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।विद्यालय के प्रधानाध्यापक छोटे सिंह ने बताया कि गुरुवार रात अज्ञात चोर स्कूल परिसर में घुस आए और कार्यालय का ताला व डोर लॉक तोड़ दिया।

इसके बाद चोरों ने रसोईघर से एक गैस सिलेंडर, दो बड़े भगोने, एक प्रेशर कुकर, अन्य रसोई के बर्तन, एक बोरी चावल तथा एक संगीत यंत्र (एम्प्लीफायर) चोरी कर लिया।

प्रधानाध्यापक के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब साढ़े सात बजे जब वह स्कूल पहुंचे और गेट खोलकर अंदर गए तो कार्यालय और रसोईघर के दरवाजे खुले मिले। अंदर जाकर देखने पर सामान गायब मिला, जिसके बाद तत्काल घटना की सूचना डायल 112 पर दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। बाद में थाना पुलिस ने भी विद्यालय पहुंचकर निरीक्षण किया।

पुलिस ने प्रधानाध्यापक से घटना की जानकारी लेने के साथ चोरी गए सामान की सूची भी प्राप्त की। प्रधानाध्यापक छोटे सिंह ने मामले की लिखित तहरीर पुलिस को दे दी है। पुलिस ने जल्द चोरी का खुलासा कर सामान बरामद करने का आश्वासन दिया है।

नवीन मंडी परिसर में टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत किया नुक्कड़ नाटक

पम्पलेट बांट कर किया लोगो को जागरूक भी किया

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद की जिलाधिकारी की कविता मीणा के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में जनपद हापुड़ को टीबी मुक्त बनाने हेतु विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं।इसी क्रम में आज नवीन मंडी परिसर, हापुड़ में स्वास्थ्य विभाग एवम् शालोम चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत वृहद जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन नवीन सब्जी मंडी हापुड़ में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ज्ञान दीप पब्लिक स्कूल की छात्राओं स्तुति सिंह एवं परिधि द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक रहा, जिसके माध्यम से मंडी परिसर में उपस्थित सैकड़ों लोगों को टीबी के कारण, लक्षण, बचाव एवं उपचार के संबंध में प्रभावी रूप से जागरूक किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह उपस्थित रहे।उन्होंने टीबी उन्मूलन में जन-सहभागिता को महत्वपूर्ण बताते हुए समय पर जांच एवं पूर्ण उपचार पर बल दिया।शालोम ट्रस्ट के अध्यक्ष अजीत सिंह ने ज्ञान दीप पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य श्री वेद प्रकाश शर्मा का कार्यक्रम में सहयोग हेतु आभार प्रकट किया।साथ ही स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम के दौरान शालोम ट्रस्ट की टीम द्वारा मंडी परिसर में उपस्थित जनसमुदाय को पैंफलेट वितरित कर टीबी के प्रमुख लक्षणों - दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार, वजन घटना, भूख न लगना आदि की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में ट्रस्ट के सदस्य नितिन गर्ग, संजय कुमार, अमित कुमार, प्रदीप कुमार, वंदना, क्षमा एवं भारती सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला पी 0पी0 एम0 कोऑर्डिनेटर सुशील चौधरी ने बताया कि जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार जिले को वर्ष 2030 तक टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

सड़कों पर गूंजेगा नहीं शोर! ट्रैफिक पुलिस का मॉडिफाइड साइलेंसर और हूटर पर बड़ा एक्शन

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। शहर में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी पर लगाम लगाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। इसी क्रम में जमुना किनारा स्थित हाथी घाट पर ट्रैफिक टीआई बलवीर सिंह के नेतृत्व में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान में टीएसआई संदीप चौधरी सहित ट्रैफिक पुलिस की टीम ने मॉडिफाइड साइलेंसर, अवैध हूटर और तेज आवाज करने वाले वाहनों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की।

चेकिंग के दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों की गहन जांच की गई। जिन वाहनों में मॉडिफाइड साइलेंसर और अवैध हूटर लगे मिले, उनके चालान काटे गए और वाहन चालकों को सख्त चेतावनी भी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ऐसे उपकरण न सिर्फ ध्वनि प्रदूषण बढ़ाते हैं बल्कि आम लोगों की शांति और सुरक्षा के लिए भी खतरा बनते हैं।

ट्रैफिक टीआई बलवीर सिंह ने कहा कि सड़क पर अनुशासन बनाए रखना हर वाहन चालक की जिम्मेदारी है। मॉडिफाइड साइलेंसर और अवैध हूटर का इस्तेमाल पूरी तरह गैरकानूनी है और ऐसे लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। अभियान के दौरान वाहन चालकों को हेलमेट, सीट बेल्ट और सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति भी जागरूक किया गया। ट्रैफिक पुलिस ने साफ किया है कि शहर में नियम तोड़ने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त अभियान जारी रहेगा, ताकि आम जनता को सुरक्षित और शांत यातायात व्यवस्था मिल सके।

तीनों लोकों के विजेता श्री भगवान परशुराम जी का दस मई को धौलाना में होगा गुणगान प्रशांत प्रकाश शर्मा

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के धौलाना में वरिष्ठ लोकदल नेता और हापुड़ जिला सत्र न्यायालय के कद्दावर अधिवक्ता पंडित प्रशांत प्रकाश शर्मा, सौरभ शर्मा, सुभाष शर्मा, मास्टर विजय शर्मा ने बताया की हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 10 मई को धौलाना के वशिष्ठ चौक पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया जायेगा । पत्रकार संघ के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार राजीव वशिष्ठ ने बताया की धौलाना में ये परम्परा बीडीओ रहे बाबूजी स्व एस एस वशिष्ठ जी ने शुरू की थी । जिसे आज भी उनके परिजनों द्वारा जीवंत रखा गया है । एड प्रशांत प्रकाश शर्मा ने बताया की हम परम पितृ भक्त भगवान परशुराम के बारे में बात करे तो वे भगवान श्री हरि विष्णु के छठे अवतार हैं जिन्होंने अपनी शक्ति और न्याय के लिए प्रसिद्धि प्राप्त की । भगवान परशुराम ने कुल आताताई राजाओं के अत्याचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी ।और समाज में शांति और व्यवस्था स्थापित की। भगवान परशुराम जी ने शिक्षा और ज्ञान के महत्व को समझाया और अपने शिष्यों को विभिन्न कलाओं और शस्त्रों कीशिक्षा दी । भगवान परशुराम ने न्याय और धर्म के मार्ग पर चलने का महत्व समझाया । और समाज को सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया । भगवान परशुराम की शक्ति और साहस ने उन्हें एक महान योद्धा के रूप में स्थापित किया । भगवान

परशुराम ने न्याय और धर्म की रक्षा के लिए काम किया और समाज में शांति और व्यवस्था को स्थापित किया। भगवान परशुराम का जीवन और उनकी शिक्षाएं आज भी लोगों के लिए एक प्रेरणा का स्रोत हैं । और उन्हें अपने जीवन में न्याय और धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है । हमें भगवान परशुराम के जीवन के संघर्ष और उनके योगदान को याद करना चाहिए । उनकी शिक्षा और चरित्र से प्रेरणा लेनी चाहिए । दस मई भगवान परशुराम सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदित्य वशिष्ठ, भास्कर पंडित, विनीत भट्ट, सोमेश्वर वशिष्ठ, अभिमन्यु वशिष्ठ सहित दल के नेतृत्व में विशाल परशुराम जयंती समारोह वशिष्ठ चौक पर मनाया जाएगा ।

सोशल मीडिया पर तमंचा लहराकर रील बनाना पड़ा भारी, पुलिस ने दबोचा; थाने में हाथ जोड़कर मांगी माफी

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा में ताजनगरी में सोशल मीडिया पर रील बनाकर सुर्खियां बटोरने का शौक एक युवक को भारी पड़ गया। अवैध तमंचा लहराते हुए डांस करने का वीडियो वायरल होने के बाद सक्रिय हुई आगरा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की गिरफ्त में आते ही युवक का सारा टशन काफूर हो गया और वह थाने में हाथ जोड़कर भविष्य में ऐसी गलती न करने की कसमें खाने लगा।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा था, जिसमें एक युवक हाथ में अवैध तमंचा लेकर फिल्मी गानों पर डांस करते हुए प्रदर्शन कर रहा था। वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधिकारियों ने तत्काल आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे।

मंदिर के पास से हुई गिरफ्तारी

एसीपी हरीपर्वत, अमीषा ने बताया कि वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस टीम आरोपी की तलाश में जुटी थी। सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी युवक, जिसकी पहचान जयवीर के रूप में हुई है, को दयालबाग स्थित आनंदी भैरो मंदिर के पास से धर दबोचा।

थाने में मांगी माफी, आर्म्स एक्ट में दर्ज हुआ मुकदमा

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अवैध हथियार बरामद कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। जैसे ही आरोपी जयवीर को थाने लाया गया, उसके तेवर बदल गए। वह पुलिस के सामने हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाने लगा और माफी मांगते हुए कहा कि अब वह कभी भी इस तरह की गैर-कानूनी हरकत नहीं करेगा। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करने वालों और कानून व्यवस्था को चुनौती देने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

गर्भाशय व जननांग कैंसर को रोकेगा एचपीवी वैक्सीन: डॉ. सुरेश चंद्रा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेमरियावां में 'मन पेपिलोमा वायरस (एचपीवी) वैक्सीन अभियान का अधीक्षक डा. सुरेश चन्द्रा ने सेहुड़ा और परसामीर की बालिकाओं को वैक्सीन लगाकर शुभारम्भ किया। इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेमरियावां के अधीक्षक डा. सुरेश चन्द्रा ने बताया कि नैंसी पुत्री राजू(14) निवासी सेहुड़ा और बिंदमती पुत्री बंश बहादुर(15) निवासी परसामीर को 'मन पेपिलोमा वायरस (एचपीवी) की वैक्सीन लगाई गयी। साथ ही दोनों को प्रमाण पत्र भी दिया गया।

उन्होंने कहा कि 'मन पेपिलोमा वायरस (एचपीवी) वैक्सीन एक सुरक्षात्मक टीका है जो कैंसर पैदा करने वाले प्रमुख 'मन पेपिलोमा वायरस संक्रमणों से बचाता है। यह मुख्य रूप से गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर, अन्य जननांग कैंसर, और जननांग मस्सों को रोकने में बेहद प्रभावी है। यह टीका शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को वायरस से लड़ने के लिए तैयार करता है। ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक राजेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि भारत में एचपीवी वैक्सीन का मुख्य उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर को रोकना, जो भारत में महिलाओं में कैंसर से होने वाली मौतों का एक प्रमुख कारण है। यह वेक्सीन 14-15 साल की लड़कियों के लिए सबसे प्रभावी है, यौन रूप से सक्रिय होने से पहले (यानी एचपीवी के संपर्क में आने से पहले) टीका लगवाना सबसे अच्छा है।15 वर्ष से कम उम्र के बच्चियों के लिए आमतौर पर 2 खुराक दी जाती है। यह टीका बहुत सुरक्षित है और इसके साइड इफेक्ट्स बहुत मामूली (जैसे दर्द, बुखार) होते हैं।यह टीका एचपीवी संक्रमण के बाद के इलाज के लिए नहीं, बल्कि संक्रमण को होने से रोकने के लिए लगाया जाता है।

इस दौरान बीसीपीएम नॅदिनी राय, मो.कौसर खान, धीरेंद्र यादव, अब्दुल कलाम, रेनू लोधी, सुनीता यादव ए एन एम, संजू देवी ए एन एम, नीलम आशा, रंजू आशा, शमीर्ला देवी ए एन एम, सरिता आशा, सेराजुद्दीन, अफजाल अहमद आदि मौजूद रहे।

आगरा में इनकम टैक्स इंस्पेक्टर की दर्दनाक मौत, सातवीं मंजिल से गिरने से मचा हड़कंप

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा के थाना हरीपर्वत क्षेत्र स्थित इनकम टैक्स बिल्डिंग में गुरुवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब सातवीं मंजिल से गिरकर एक इनकम टैक्स इंस्पेक्टर की मौत हो गई। घटना के बाद कार्यालय परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

मृतक की पहचान इनकम टैक्स इंस्पेक्टर सुरेशचंद्र मौर्य के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि घटना के समय कार्यालय बंद हो चुका था। शाम करीब छह बजे सुरेशचंद्र मौर्य स्कूटर से इनकम टैक्स बिल्डिंग पहुंचे। उन्होंने पार्किंग में स्कूटर खड़ा किया और उसके बाद कार्यालय के अंदर चले गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ देर बाद अचानक उनके नीचे गिरने की सूचना मिली, जिसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। गंभीर हालत में उन्हें संभालने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

घटना की जानकारी मिलते ही थाना हरीपर्वत पुलिस मौके पर पहुंच गई और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी। वहीं सूचना मिलने पर मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए, जिनका रो-रोकर बुरा हाल था।

प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या से जुड़ा माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि सुरेशचंद्र मौर्य पिछले काफी समय से तनाव में चल रहे थे और उनका चिकित्सकीय उपचार भी चल रहा था। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि घटना के सही कारणों का पता लगाया जा सके।

बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में आम के बगीचे मे पेड़ से लटकता हुआ मिला 22 बर्षीय युवक का शव

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। दुधारा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम कर्मा खुर्द निवासी 22 बर्षीय युवक का शव दिनाँक 7/5/को देर रात आम के पेड़ पर लटकता हुआ हुआ पाया गया है। सूचना पर पहुँची दुधारा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पी यम के लिए भेज दिया है। विकास पुत्र ठाकुर पासवान अपने चार भाई तथा दो बहनों में सबसे छोटा था अभी इसकी शादी नहीं हुई थी। इसके बडे.पिता श्याम लाल के लड़की की शादी दो दिन पूर्व समपन्न हुआ था। विकास ने ऐसा कदम क्यों उठाया यह सवाल सभी कर रहे हैं लेकिन उत्तर किसी के पास नही है। इसके परिवार के लोगों ने बताया कि हमारे परिवार का किसी से कोई झगड़ा भी नहीं था लेकिन उसने ऐसा कदम क्यों उठाया यह समझ से परे है। हालांकि परिस्थितियां चाहे जो भी रही हो लेकिन विकास का इस तरह आत्महत्या करना किसी के गले नही उतर रहा है।

डीएम की अध्यक्षता में आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त संदर्भो/प्रकरणों के निस्तारण की समीक्षा बैठक हुयी आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में आइ0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त शिकायती संदर्भों के निस्तारण की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि/रा) जय प्रकाश एवं अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) चन्द्रेश सिंह उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकारीगण आइ0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त संदर्भों को निर्धारित समय सीमा के अन्दर अवश्य निस्तारित कर दें, जिससे कोई भी संदर्भ डिफाल्टर की श्रेणी में न जाए। उन्होंने समस्त विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि आइजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायती संदर्भों के निस्तारण की प्रक्रिया के दौरान अपने अधीनस्थ कर्मचारियों की सघन मॉनिटरिंग अवश्य करें कि उनके द्वारा शिकायती संदर्भो के निस्तारण में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि संदर्भो के निस्तारण के उपरान्त शिकायतकर्ता की संतुष्टि का फीडबैक महत्वपूर्ण है, शिकायत के निस्तारण में गुणवत्ता जिससे शिकायतकर्ता संतुष्ट हो यही शासन/आइ0जी0आर0एस0 पोर्टल की मूल भावना है। उन्होंने कहा कि संदर्भों के डिफॉल्ट होने की तिथि से 03 दिन पहले ही पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें जिससे शासन स्तर से फीडबैक लेने पर शिकायतकर्ता अपनी संतुष्टि का फीडबैक दे सके। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारीगण नियमित तौर पर पोर्टल पर संदर्भों को प्राप्त होते ही निस्तारित करने की दिशा में कार्यवाही प्रारंभ करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी के जनता दर्शन में प्राप्त जो भी प्रार्थना पत्र आते हैं उसे अधिकारीगण आवश्यकतानुसार संबंधित विभागीय अधिकारी से संपर्क कर तत्काल निस्तारित करना सुनिश्चित करेंगे।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी विभागीय अधिकारीगणों को निर्देशित किया कि उनके विभाग से संबंधित योजनाओं एवं निर्माण कार्यों में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति पर विशेष ध्यान दें, जिससे सीएम डैशबोर्ड पर जनपद की रैंकिंग अच्छी बनी रहे।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 रामानुज कन्नौजिया, वरिष्ठ कोषाधिकारी त्रिभुवनलाल, प्रभागीय वनाधिकारी हरिकेश यादव, उप जिलाधिकारी सदर हृदयराम तिवारी, उप जिलाधिकारी मेंहदावल अरूण कुमार, उप जिलाधिकारी डा0 सुनील कुमार, उप जिलाधिकारी संजीव राय, जिला आबकारी अधिकारी संजय कुमार, जिला बाट-माप अधिकारी वी0पी0 वर्मा, लीड बैंक मैनेजन पवन कुमार सिन्हा, अधि0अभि0 विद्युत राजेश कुमार, तहसीलदार मेंहदावल अल्पिका वर्मा, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रवीश चन्द्र सहित राजस्व एवं अन्य विभागों से संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

सुबह से लग रही कतारें, दोपहर में खत्म हो रहा कैश: खानपुर पीएनबी शाखा की बदहाल स्थिति

वेलकम इंडिया संवाददाता

खानपुर। जनपद के कस्बा खानपुर स्थित पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में पिछले लगभग 45 दिनों से कैश की भारी किल्लत बनी हुई है। लगातार जारी इस समस्या के कारण क्षेत्र के सैकड़ों खाताधारकों को गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। रोजमर्रा के खर्च, खेती-बाड़ी के कार्य, व्यापारिक लेन-देन और पारिवारिक जरूरतों के लिए नकदी पर निर्भर ग्रामीण व कस्बाई उपभोक्ता परेशान नजर आ रहे हैं। कई बुजुर्ग, महिलाएं और किसान घंटों इंतजार

करने के बावजूद खाली हाथ लौटने को मजबूर हो रहे हैं। ग्राहकों का कहना है कि कभी सीमित राशि दी जाती है, तो कभी दोपहर तक कैश समाप्त होने की सूचना दे दी जाती है।

किसानों और व्यापारियों पर सीधा असर

इस समय क्षेत्र में कृषि कार्यों और स्थानीय बाजार की गतिविधियों के चलते नकदी की मांग अधिक है। किसानों को खाद-बीज, मजदूरी और अन्य आवश्यक भुगतान के लिए नकद राशि की जरूरत पड़ रही है। वहीं छोटे दुकानदार और व्यापारी भी दैनिक लेन-देन में बाधा आने की शिकायत कर रहे हैं। कई ग्राहकों ने बताया कि उन्हें अन्य कस्बों या शहरों में स्थित एटीएम और बैंकों का रुख करना पड़ रहा है, जिससे अतिरिक्त समय और धन दोनों की हानि हो रही है।

एटीएम भी नहीं दे रहे राहत

ग्राहकों के अनुसार बैंक से जुड़े एटीएम भी अधिकांश समय खाली पड़े रहते हैं। इससे डिजिटल बैंकिंग से दूर रहने वाले बुजुर्ग और ग्रामीण उपभोक्ताओं की परेशानी और बढ़ गई है। नेटवर्क समस्या और सीमित निकासी की पाबंदियों के कारण हालात और जटिल हो गए हैं।

ग्राहकों में आक्रोश, समाधान की मांग

लगातार 45 दिनों से बनी स्थिति को लेकर खाताधारकों में रोष व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने बैंक प्रशासन से तत्काल पर्याप्त नकदी उपलब्ध कराने और नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते समाधान नहीं हुआ तो वे उच्चाधिकारियों से शिकायत करने को बाध्य होंगे।

बैंक प्रबंधन का पक्ष

इस संबंध में ब्रांच मैनेजर प्रवीण कुमार का कहना है कि नकदी आपूर्ति उच्च स्तर से नियंत्रित होती है और जैसे ही पर्याप्त कैश उपलब्ध होगा, ग्राहकों को राहत दी जाएगी। हालांकि अभी तक स्थायी समाधान सामने नहीं आया है।

स्कूल बैग वापस मांगने पर छात्रा से अभद्रता

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहाँगीराबाद। नगर निवासी एक छात्रा के साथ एक मनचले द्वारा अभद्रता करने का मामला सामने आया है। छात्रा का स्कूल बैग एक दुकान पर छूट गया था जिसे एक युवक उठा कर ले गया और वापस देने के नाम पर छात्रा से अभद्रता की। जिसकी शिकायत छात्रा ने अपने परिजनों से की। जिसके बाद परिजनों ने आरोपी युवक को पकड़कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार छात्रा रोजाना की तरह अपनी परीक्षा देने जा रही थी। रास्ते में उसने अपना स्कूल बैग एक परिचित दुकान पर सुरक्षित रख दिया था। आरोप है कि निकटवर्ती गांव निवासी एक युवक दुकान से छात्रा का बैग उठाकर ले गया। छात्रा जब बैग वापस लेने दुकान पर गयी तो पता चला कि एक युवक बैग को अपने साथ ले गया। छात्रा ने जैसे तैसे युवक का फोन नंबर ढूंढकर उसे फोन किया और अपना बैग वापस मांगा। आरोप है कि छात्रा द्वारा बैग वापस मांगने पर आरोपी युवक ने उसे अकेले मिलकर बैग ले जाने के लिए कहा। परिजनों का आरोप है कि युवक ने मयार्दा की सारी सीमाएं लांघते हुए बैग वापस करने के बदले छात्रा को अकेले आने की शर्त रखी और अत्यंत अभद्र भाषा का प्रयोग किया। परिजनों के मुताबिक युवक के परिवार से इस संबंध में शिकायत की, तो उन्होंने भी गाली-गलौज की और बैग अब कोतवाली में मिलेगा' कहते हुए जान से मारने की धमकी दी। कोतवाली प्रभारी सुदेश कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच आपसी वार्ता के बाद समझौता हो गया है। आरोपी युवक को सख्त चेतावनी देकर छोड़ दिया गया है।

सभी पात्रों को मिले सरकारी योजनाओं का लाभ: अर्पणा सिंह त्रिपाठी

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना (बुलंदशहर)। शुक्रवार को स्याना पहुंचीं उत्तर प्रदेश भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य/भाजपा नेत्री अपर्णा सिंह त्रिपाठी ने भाजपाइयों से मुलाकात की तथा पार्टी की जनहितकारी नीतियों पर चर्चा की। उन्होंने सभी पात्र नागरिकों तक सरकार की लाभकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाए जाने पर बल दिया। कहा कि प्रदेश सरकार सभी मोर्चों पर सफलता के साथ कार्य कर रही है तथा प्रदेश से अपराध व अपराधियों का संफाया हो चुका है।

स्याना में भाजपा नेता डॉ संजय श्रोत्रिय के कार्यालय पर उन्होंने पार्टी पदाधिकारीयों व कार्यकताओं से भेंट की तथा हाल ही के विधानसभा चुनाव नतीजों पर चर्चा करते हुए कहा कि राष्ट्रभक्त नागरिक भाजपा के नेतृत्व में ही देश का उत्थान देख रहे हैं। नागरिकों में भाजपा की स्वीकार्यता शत प्रतिशत रूप में लाने के लिए सरकारी योजनाओं का पात्रों को पूर्ण लाभ पहुंचने के लिए कार्य करने की बात उन्होंने कही। भाजपा नेता डॉ संजय श्रोत्रिय ने कहा कि नागरिकों के सम्मान व सुरक्षा के साथ-साथ नागरिकों की अपेक्षाओं पर भाजपा खरी उतर रही है। भाजपा के नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बनकर रहेगा। श्रोत्रिय ने कहा कि अर्पणा सिंह त्रिपाठी अटल फाउंडेशन अध्यक्ष तथा जिला संयोजक संस्कृति प्रकोष्ठ मंडल मंत्री तथा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जिला संयोजक के रूप में पार्टी कार्य बखूबी के साथ कर रही हैं। उनकी लोकप्रियता का ग्राफ शीर्ष पर है। संपर्क के दौरान क्षेत्रीय भाजपाई मौजूद रहे।

डिबाई पुलिस ने साइबर ठगी के 13,740 रुपये पीड़ित के खाते में कराए वापस

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। थाना डिबाई पुलिस ने साइबर ठगी के शिकार हुए व्यक्ति की रकम वापस कराकर सराहनीय कार्य किया है। ग्राम रहमापुर निवासी विजय सिंह के बैंक खाते से अज्ञात साइबर ठगों द्वारा 13,740 रुपये निकाल लिये गए थे। शिकायत मिलने पर थाना डिबाई साइबर हेल्प डेस्क ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अथक प्रयासों से पूरी धनराशि पीड़ित के खाते में वापस कराई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में की गई कार्रवाई पर पीड़ित ने डिबाई पुलिस का आभार जताया। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति से ओटीपी, पिन, सीवीवी या बैंक संबंधी जानकारी साझा न करें तथा साइबर धोखाधड़ी होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क।

किसानों से विशेष अपील: KCC जमा कर मजबूत करें अपनी साख: ब्रांच मैनेजर

किसानों के हित में आगे आए पीएनबी ब्रांच मैनेजर प्रवीण कुमार, KCC जमा करने की अपील

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। कस्बा खानपुर स्थित पंजाब नेशनल बैंक शाखा के ब्रांच मैनेजर प्रवीण कुमार ने किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए एक सराहनीय पहल की है। उन्होंने क्षेत्र के किसानों से किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) की बकाया राशि समय पर जमा करने की अपील की है, ताकि वे भविष्य में भी बैंक की विभिन्न योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से उठा सकें। ब्रांच मैनेजर प्रवीण कुमार ने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड योजना किसानों की आर्थिक मजबूती का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। समय पर भुगतान करने से किसानों की साख मजबूत होती है और उन्हें आगे भी आसानी से

ऋण उपलब्ध हो पाता है। उन्होंने किसानों को समझाया कि यदि समय से ङउउ जमा किया जाता है तो ब्याज में मिलने वाली छूट और अन्य सरकारी सुविधाओं का पूरा लाभ प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि बैंक हमेशा किसानों के साथ खड़ा है और उनकी जरूरतों को प्राथमिकता देता है। बैंक प्रशासन का उद्देश्य किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सहयोग करना है। इसी भावना के तहत किसानों से जिम्मेदारीपूर्वक अपने ऋण का भुगतान करने की अपील की गई है। स्थानीय किसानों ने भी ब्रांच मैनेजर की इस पहल की सराहना की और कहा कि बैंक द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली जानकारी और मार्गदर्शन से उन्हें काफी लाभ मिलता है। क्षेत्र में बैंक और किसानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होने से कृषि क्षेत्र को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकताओं ने कांग्रेस का हाथ छोड़कर पकड़ा कमल

वेलकम इंडिया संवाददाता

धौलपुर। जिले की राजाखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के गांव चंगोरा साला में शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है जहां रावत परिवार के साथ सर्व समाज के सैकड़ों लोगों ने भाजपा नेत्री नीरजा अशोक शर्मा का गर्मजोशी के साथ बड़ी माला एवं शॉल पहनाकर पुष्प वर्षा से जोरदार स्वागत सम्मान किया जहां युवा नेताओं के साथ साथ कांग्रेस के वरिष्ठजनों ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया है स्थानीय स्तर पर लोगों के द्वारा धौलपुर की भाजपा नेत्री नीरजा अशोक शर्मा की उपस्थिति में भाजपा दर्ज की है जहां सभी ने भाजपा का पटका पहनकर सदस्यता ली है।

भाजपा नेत्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस एक परतंत्र विचारों वाली पार्टी है जहां कार्यकर्ता को कोई सम्मान नहीं मिलता है भाजपा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कार्यकर्ता स्वतंत्रता के साथ जनहित में कार्य करता है और एक मात्र ऐसी पार्टी है जो सभी वर्गों को साथ लेकर चल रही है।

प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में भाजपा दिनों दिन मजबूत होती जा रही है मुख्यमंत्री ने पिछले सवा दो साल में कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं भ्रष्टाचार पेपर लीक पेपर माफिया पर कड़ा प्रहार किया है।

इसके साथ ही शर्मा ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार किसान, निर्बल, दुर्बल शोषित वर्ग के लिए कार्य कर रही है, प्रदेश की भजनलाल सरकार लगातार धौलपुर जिले के विकास पर भी प्रयासरत है बजट घोषणाओं में सरकार ने राजाखेड़ा कृषि उपज मंडी, माता रहना वाली मंदिर व लाठ वाली माता मंदिर जीर्णोद्धार के लिए बजट, सड़को के लिए बजट जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए है।

इससे प्रभावित होकर यहां सैकड़ों मेरे परिवारजनों ने भाजपा का दामन थामा है और जनहित में खुले विचारों के साथ कार्य करने का प्रण लिया है कांग्रेस पार्टी व स्थानीय विधायक पर साधा निशाना।

भाजपा नेत्री ने अपने भाषणों में कांग्रेस पार्टी पर और स्थानीय विधायक पर निशाना साधते हुए कहा कि यहां कुछ अपने घमंड में चूर हैं और घमंड तो रावण का भी टूटा था बंगाल में भी एक अहंकार का अंत हुआ है और भाजपा सरकार आइ है राजाखेड़ा में भी परिवर्तन आएगा और यहां के विकास में रोड़ा बने बैठे लोगों को यहां की जनता उखाड़ फेंकने का मन बना बैठी है।

शर्मा ने कहा कि अब यहां अब लोग स्वतंत्रता की जिंदगी जी रहे हैं भाजपा सबका साथ सबका विकास का नारा लेकर काम करती है शर्मा ने आश्वस्त करते हुए कहा कि अब किसी को डरने की जरूरत नहीं है राजाखेड़ा अब विकास की राह पर अग्रसर है गुंडाराज का अंत तय है। इस दौरानजेपी रावत, बनवारी रावत, ओमप्रकाश रावत, सुरेश र ा व त ा , स ा ं त ा ो ष ा रावत, जयकुमार, अजब सिंह रावत, मोहन रावत, उम्मेदीलाल रावत, बृजकिशोर सिसोदिया, रामबाबू सिसोदिया, जगदीश सिसोदिया, रामबाबू सिसोदिया, दम्मो सिसोदिया आदि ने भाजपा की सदस्यता ली।

इस दौरान मरेना मंडल अध्यक्ष रामकिशोर शर्मा, बनवारी सिसोदिया, हरि सिंह गुर्जर, लक्ष्मण लोधा, एदल तोमर, रिंकू तोमर, प्रदीप तोमर, लटूरी तोमर, के के शर्मा, हेमंत शर्मा आदि मौजूद रहे।

क्लियर प्रीमियम वॉटर ने लॉन्च किया अब तक का सबसे डिसरप्टिव कैंपेन, 'पानी हो तो क्लियर'

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी (वेलकम इंडिया)। भारत में डुप्लिकेट सामान का बाजार वर्षों से लगातार फैलता जा रहा है कोलाबा कॉजवे से लेकर चांदनी चौक जैसे बड़े बाजारों तक स्नीकर्स, सनग्लासेस और हैंडबैग जैसी चीजों की नकल आसानी से देखने को मिलती है अब यही ट्रेंड ज्यादा चिंताजनक रूप में पीने के पानी के क्षेत्र में भी दिखाई देने लगा है जहां लुकअलाइक बोतलबंद पानी के ब्रांड ग्राहकों के बीच भ्रम पैदा कर रहे हैं। इसी स्थिति के बीच क्लियर प्रीमियम वॉटर ने अपना अब तक का सबसे डिसरप्टिव कैंपेन लॉन्च किया है। 'पानी हो तो क्लियर' नाम के इस कैंपेन में ब्रांड एम्बेसडर ऋतिक रोशन की लोकप्रियता और उनकी सिनेमाई विरासत को केंद्र में रखते हुए एक मजबूत और स्पष्ट संदेश दिया गया है।

छले कुछ वर्षों में लुकअलाइक ब्रांड्स की संख्या तेजी से बढ़ी है। क्लियर प्रीमियम वॉटर के अनुसार, यह मामला अब केवल मार्केटिंग या ब्रांडिंग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ग्राहकों के स्वास्थ्य और विश्वास से सीधे जुड़ा मुद्दा बन गया है इसी वजह से कंपनी ने इस विषय पर खुलकर आवाज उठाने का फैसला किया है।

कैंपेन को लेकर ऋतिक रोशन ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से मैं क्लियर की गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता का गवाह रहा हूं। ग्राहकों तक सुरक्षित पीने का पानी पहुंचाने की उनकी असलियत और जुनून काबिल-ए- तारीफ है ग्राहक सुरक्षा को केंद्र में रखने वाले इस कैंपेन का हिस्सा बनकर मैं खुश हूं।

इस कैंपेन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें केवल सेलिब्रिटी का इस्तेमाल नहीं किया गया, बल्कि एक प्रभावशाली रूपक पेश किया गया है।

ऋतिक रोशन लंबे समय से भारत के सबसे ज्यादा कॉपी किए जाने वाले स्टार्स में गिने जाते हैं उनके डांस मूव्स, फिल्मी अंदाज और आइकॉनिक किरदार वर्षों से शादी समारोहों, टैलेंट शो और सोशल मीडिया रील्स में लगातार दोहराए जाते रहे हैं। हालांकि हर नकल आखिरकार असली के सामने कमजोर पड़ जाती है क्योंकि बाहरी रूप भले एक जैसा लगे, लेकिन सहजता, सटीकता और वर्षों की मेहनत जैसी चीजों की सच्ची नकल संभव नहीं होती। क्लियर प्रीमियम वॉटर इसी संदेश को अपनी प्रोडक्ट क्वालिटी के साथ जोड़ता है।

कंपनी का कहना है कि कई लुकअलाइक ब्रांड्स ने क्लियर की बोतल, लेबल डिजाइन और कैप के रंग तक की नकल करने की कोशिश की है जिससे ग्राहकों के लिए असली और नकली के बीच फर्क करना मुश्किल हो जाता है लेकिन प्रोडक्ट के भीतर की गुणवत्ता, सख्त मानक, पूरी तरह ऑटोमेटेड प्रक्रिया और मल्टी-स्टेज प्यूरिफिकेशन जैसी चीजों की नकल संभव नहीं है।

क्लियर प्रीमियम वॉटर के फाउंडर और सीईओ नयन शाह ने कहा कि यह कैंपेन प्रतिस्पर्धा में जीत हासिल करने के लिए नहीं, बल्कि ग्राहकों की आवाज उठाने के लिए है जहां नकल ग्राहकों की समझ को धुंधला बना सकती है, वहां हमारी जिम्मेदारी स्पष्टता वापस लाने की है।

पानी के मामले में असलियत कोई विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता है 'पानी हो तो क्लियर' टैगलाइन के साथ लॉन्च किए गए इस कैंपेन को केवल ब्रांड प्रॉमिस के रूप में नहीं, बल्कि ग्राहकों के लिए सीधे संदेश के तौर पर पेश किया गया है।

कंपनी का दावा है कि इस अभियान के जरिए भारतीय ग्राहकों को ज्यादा जागरूक बनाने, समझदारी से चुनाव करने के लिए प्रेरित करने और असली प्रोडक्ट के प्रति भरोसा मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

विश्व रजक महासंघ ने जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

धौलपुर। टोरेंट पावर के एक अधिकारी द्वारा रजक समाज के अजय बिलोनिया के साथ कथित रूप से जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किए जाने का मामले को लेकर विश्व रजक महासंघ के जिला अध्यक्ष जीतू दिवाकर के नेतृत्व में समाज के लोगों ने जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि अजय बिलोनिया लंबे समय से जनसमस्याओं और सामाजिक मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। आरोप है कि इसी दौरान टोरेंट पावर के एक व्यक्ति ने उनके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया, जिससे न केवल अजय बिलोनिया बल्कि पूरे रजक समाज की भावनाओं को ठेस पहुंची है। विश्व रजक महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार का व्यवहार बेहद निंदनीय है। समाज के प्रतिनिधियों ने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारी के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम के तहत तत्काल कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपते समय महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि किसी भी समाज या व्यक्ति के सम्मान के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, युवा कार्यकर्ता एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने की मांग उठाई। ज्ञापन सौंपने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस मौके पर काफी संख्या में रजक समाज के भाई बंधु उपस्थित रहे।

एबीवीपी ने छात्राओं की समस्या को लेकर जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

धौलपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद धौलपुर इकाई के द्वारा विभिन्न राजकीय महाविद्यालय में अध्यनरत छात्राओं को कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना के अंतर्गत स्कूटी नहीं मिलने पर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन। ज्ञापन में जिला संयोजक समरथ गुर्जर व नगर मंत्री सूरज ने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा संचालित कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना के लाभार्थी छात्राओं को शिक्षा क्षेत्र में प्रोत्साहित करने एवं आवागमन की सुविधा के उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई थी परन्तु अभी महाविद्यालय से जानकारी प्राप्त हुई है कि सरकार के द्वारा स्कूटी न देकर स्कूटी के स्थान पर लगभग सत्तर हजार रुपए

की राशि प्रदान की जाएगी महाविद्यालय इकाई अध्यक्ष अभिषेक जाट एवं श्लोक शर्मा ने बताया कि जिन छात्राओं को कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना के अंतर्गत चयन हुआ है उन सभी छात्राओं को स्कूटी न मिलने पर आक्रोश में है उन्होंने तय राशि लेने से इनकार करते हुए स्कूटी ही प्रदान करने की मांग राजस्थान सरकार से रखी है। वहीं छात्राओं के अभिभावको के अनुसार बताया कि यदि योजना का मूल उद्देश्य अनुसार सभी छात्राओं को स्कूटी प्रदान की जाए वही महाविद्यालय इकाई सचिव तमन्ना व सोनिया खान ने बताया कि स्कूटी हम छात्राओं के लिए केवल एक वाहन नहीं बल्कि शिक्षा केंद्र तक सुगम पहुंचने का माध्यम है। उन्हें आने जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है इसलिए हम सभी छात्राओं की भावना एवं समस्या को समझते हुए हमे राशि न देकर स्कूटी दी जाए तो उचित रहेगा।

अवैध कब्जे दारों को अधिशासी अधिकारी ने स्वयं कब्जे हटाने के लिए कराये नोटिस तामील

वेलकम इंडिया संवाददाता

औरंगाबाद /बुलंदशहर। नगर पंचायत की भूमि पर अवैध कब्जे को हटाने के लिए अधिशासी अधिकारी ने स्वयं कब्जे हटाने के लिए नोटिस तामील कराये। निर्धारित अवधि में कब्जे ना हटाने पर नगर पंचायत स्वयं अवैध कब्जे हटायेगी। उक्त कार्रवाई माननीय उच्च न्यायालय के आदेश पर की गई। कस्बे के जहांगीराबाद रोड पर नगर पंचायत की गाटा संख्या 1758 में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का मामला अब पुनः गरमा गया है। माननीय उच्च न्यायालय ने नगर पंचायत औरंगाबाद को उक्त कब्जे हटाने के लिए निर्देश दिए थे। उक्त आदेश के अनुपालन में शुक्रवार को

नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी सेवा राम राजभर ने पुलिस को साथ लेकर मौके पर पहुंचकर अवैध कब्जे दारों को स्वयं अपने आप कब्जे हटाने के नोटिस तामील कराये। अवैध कब्जे दारों को दिये गये नोटिस में निर्धारित अवधि में स्वयं कब्जे ना हटाने पर नगर पंचायत द्वारा स्वयं कब्जे हटाने की चेतावनी दी है। नोटिस तामील करने वालों में अंतराम भट्टे वाले, कंछिद, सुनील, सतीश, भूपेंद्र, गुरुमुख, नेमपाल सिंह आदि दर्जनों लोग शामिल रहे। नेमपाल सिंह और गुरुमुख नगर पंचायत औरंगाबाद में ही कार्यरत हैं। थाना प्रभारी मौहम्मद असलम खान कस्बा इंचार्ज आदेश कुमार नगर पंचायत कर्मचारी विजय सिंह आदि ई ओ सेवा राम राजभर के साथ रहे।

आरकेजीआईटी में अश्वमेध 1.0 हार्डवेयर आधारित तकनीकी प्रतियोगिता का सफल आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राज कुमार गोयल प्रौद्योगिकी संस्थान (आरकेजीआईटी), गाजियाबाद के सीएसईइआईओटी विभाग द्वारा अपनी पहली मेगा हार्डवेयर तकनीकी प्रतियोगिता अश्वमेध 1.0 का सफल आयोजन विभागाध्यक्ष सीएसईइआईओटी के मार्गदर्शन में किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों की तकनीकी दक्षता, नवाचार क्षमता एवं हार्डवेयर आधारित प्रोजेक्ट्स को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में डॉ. लक्ष्मण प्रसाद (ग्रुप एडवाइजर, आरकेजी ग्रुप), डॉ. बी.सी. शर्मा (डायरेक्टर, आरकेजीआईटी), डॉ. आर.के. यादव (डीन एकेडमिक्स एवं हेड, ईसीई), डॉ. रामेन्द्र सिंह (डीन एक्रेडिटेशन), एच.जी. गर्ग (डीन, स्टूडेंट वेलफेयर), डॉ. पुनीत चंद श्रीवास्तव (डीन, ईआईआई), डॉ. विपुल गोयल (हेड एचआर), विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवंवैभव शर्मा (सह-संयोजक, हॉबी काउंसिल) की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल का विशेष मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, डॉ. बी.सी. शर्मा एवं एच.जी. गर्ग द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। अपने संबोधन में डॉ. लक्ष्मण प्रसाद ने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों की रचनात्मकता एवं नवाचार क्षमता को नई दिशा प्रदान करते हैं।

वहीं डॉ. बी.सी. शर्मा ने कहा कि 'अश्वमेध 1.0' विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभा को सामने लाने और उन्हें व्यावहारिक तकनीकी अनुभव प्रदान करने का एक उत्कृष्ट मंच है।प्रतियोगिता में कुल 28 टीमों के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने रोबोटिक्स, आईओटी, एआई/एमएल आधारित सिस्टम्स तथा स्मार्ट टेक्नोलॉजी से जुड़े नवाचारपूर्ण हार्डवेयर प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के निर्णायक मंडल मेंविवेक तिवारी (ऑटोमेशन इंजीनियर, एचसीएल टेक), ओम पंत (एसोसिएट सॉफ्टवेयर इंजीनियर, न्यूक्लियस सॉफ्टवेयर), सुश्री कृतिका सिंह (सॉफ्टवेयर इंजीनियर, यूजीएक्स.एआई) एवं सुश्री कृति शर्मा (साइबर सिक्योरिटी एनालिस्ट, रिस्कबर्ग कंसल्टेंसी प्रा. लि.) ने अपनी विशेषज्ञता के आधार पर प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में टीम 'विजन गार्ड' ने प्रथम, 'रुद्र-एक्स' ने द्वितीय तथा 'एग्रीटेक प्रो' ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता टीमों को नगद पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन संयोजक सुश्री श्रुति सक्सेना, फैकल्टी कोऑर्डिनेटर एवं छात्र समन्वयकों द्वारा किया गया। अश्वमेध 1.0 ने छात्रों के तकनीकी कौशल, नवाचार एवं टीमवर्क को प्रोत्साहित करते हुए संस्थान में तकनीकी संस्कृति को और सशक्त बनाया।

डी.जी.आर. पब्लिक स्कूल, पतला में एनसीसी जूनियर डिवीजन भर्ती प्रक्रिया का सफल आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सीओ कर्नल पी.के. सिंह 35 यूपी बटालियन एनसीसी के निर्देशन में डी.जी.आर. पब्लिक स्कूल, पतला में एनसीसी जूनियर डिवीजन भर्ती प्रक्रिया 2026 का आयोजन देशभक्ति, अनुशासन एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। विद्यालय परिसर में आयोजित इस भर्ती प्रक्रिया में 150 से अधिक विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा राष्ट्र सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता एवं उत्साह का परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं मार्गदर्शन एनसीसी अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। विद्यार्थियों को अनुशासन, नेतृत्व एवं राष्ट्र सेवा के महत्व के बारे में प्रेरित किया। एस.एम. प्रेमानंद ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें एनसीसी के मूल्यों एवं जिम्मेदारियों से अवगत कराया। भर्ती प्रक्रिया के दौरान शारीरिक परीक्षण एवं चयन गतिविधियों का संचालन हवलदार देवेंद्र सिंह एवं हवलदार दीपक कुमार,नायक राहुल शर्मा द्वारा सुव्यवस्थित रूप से किया गया। सूबेदार नरदोढ़ थापा ने विद्यार्थियों को एनसीसी के आदर्शों साहस, एकता एवं सेवा भावना को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के ए.एन.ओ. गुड्डू गुप्ता की विशेष भूमिका रही। विद्यालय के चेयरमैन गुलबीर सिंह ने विद्यार्थियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि एनसीसी विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं देशभक्ति की भावना विकसित करने का एक सशक्त माध्यम है। विद्यालय की डायरेक्टर प्रिंसिपल डॉ. सोनल चौधरी ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक एवं भविष्य का सशक्त नेतृत्व बनने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी एनसीसी अधिकारियों एवं विद्यालय स्टाफ का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम देशभक्ति एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ तथा विद्यार्थियों में राष्ट्र सेवा के प्रति नई ऊर्जा एवं प्रेरणा का संचार हुआ।

स्टेट पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में मोदीनगर के खिलाड़ियों ने जीते मेडल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। पावरलिफ्टिंग खिलाड़ियों ने गोरखपुर में आयोजित तीन दिवसीय प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट दर्शन करते हुए गोल्ड एवं सिल्वर मेडल सहित स्ट्रांग वूमेन का खिताब जीतकर मोदीनगर का नाम रोशन कर दिखाया।

शुक्रवार को मोदीनगर के निवाड़ी रोड स्थित प्रिंस जिम के संचालक पारुल त्यागी ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके जिम में ट्रेनिंग ले रहे खिलाड़ियों ने गोरखपुर में 2 मई से 4 मई तक आयोजित हुयी स्टेट पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप के दौरान प्रतिभा करते हुए अपने शानदार प्रदर्शन के आधार पर कई मेडल प्राप्त कर मोदीनगर का मोदीनगर का नाम रोशन कर दिखाया। जीतने वालों में मोदीनगर की खिलाड़ी मनीषा शर्मा ने 57 किग्रा में गोल्ड मेडल जीता इसके अलावा अवंतिका ने 57 किग्रा सब जूनियर में स्ट्रॉग वुमन का खिताब जीतने के साथ-साथ गोल्ड मेडल भी अपने नाम किया। इसी तरह सगुण ने 63 किग्रा में गोल्ड मेडल प्राप्त किया इस दौरान सूर्य कुमार ने 93 किग्रा सब जूनियर में सिल्वर मेडल पर अपना कब्जा जमाया।

पालिका बोर्ड बैठक में 2 अरब, 34 करोड़ 19 लाख 38 हजार रुपए का बजट स्वीकृत

नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाए जाने संबंधी विषयों पर की गई विस्तार से चर्चा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। नगर पालिका परिषद, मोदीनगर में शुक्रवार को एजेंडा बोर्ड की बैठक अध्यक्ष विनोद वैशाली की अध्यक्षता में कार्यालय सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा करते हुए आय-व्यय से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया तथा नगर विकास एवं जनहित को ध्यान में रखते हुए दो अरब, 34 करोड़ 19 लाख 38 हजार 43 रुपए (2,34,19,38,043) का बजट सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। पालिका बोर्ड बैठक के दौरान नगर क्षेत्र में सड़क निर्माण, नाली निर्माण, सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, जल निकासी, कर संग्रहण तथा नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाए जाने संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। सदस्यों द्वारा विभिन्न वार्डों की समस्याओं एवं विकास कार्यों से जुड़े सुझाव भी प्रस्तुत किए गए, जिन पर आवश्यक कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देश दिए गए।

अध्यक्ष विनोद वैशाली द्वारा नगर के समग्र विकास हेतु सभी सभासदों एवं अधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने नगर हित में सकारात्मक सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। बैठक में अधिशासी अधिकारी नरेंद्र मोहन मिश्र, समस्त अधिकारीगण एवं समस्त सदस्यगण उपस्थित रहे।

केसी त्यागी के स्वागत को लेकर रालोद की बैठक, पदाधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय लोक दल के विधानसभा अध्यक्ष पंडित अरुण शर्मा के प्रिंस फॉर्म कॉलोनी, जलालपुर मुरादनगर स्थित आवास पर बुधवार को एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रालोद जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी ने की, जबकि संचालन विधानसभा अध्यक्ष पंडित अरुण शर्मा ने किया। बैठक में आगामी 10 तारीख को वरिष्ठ नेता केसी त्यागी के स्वागत कार्यक्रम को लेकर विस्तार से रणनीति बनाई गई। बैठक में तय किया गया कि स्वागत यात्रा यूपी गेट से शुरू होकर लोनी, मेरठ मोड़, जिला कार्यालय, मोरटा, मुरादनगर होते हुए मोदीनगर में स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर पहुंचकर समाप्त होगी। इस दौरान कार्यकताओं को अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। बैठक में जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी, मोदीनगर विधानसभा अध्यक्ष आलोक चौधरी, कोमल चौधरी, नीरज चौधरी जलालाबाद, पप्पू चौधरी मिल्क चाकरपुर, सतपाल चौधरी सलेमाबाद, शहर अध्यक्ष जुनैद चौधरी, रईस नेताजी और अभिषेक पंडित जीतपुर समेत कई प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीपीएस मोदीनगर में मातृ दिवस का भावपूर्ण आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दिल्ली पब्लिक स्कूल, मोदीनगर में शुक्रवार को मातृ दिवस बड़े उत्साह एवं भावनात्मक वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य माताओं के प्रति सम्मान, प्रेम एवं कृतज्ञता व्यक्त करना था।

इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन डॉ. विक्रम गांधी, उनकी माता जी श्रीमती आशा गांधी विद्यालय की ट्रस्टी श्रीमती अनीशा गांधी, एवं उनकी माता जी श्रीमती दीपा मलिक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात प्री-नर्सरी से यूकेजी तक के नन्हे विद्यार्थियों ने रंगारंग नृत्य एवं भावपूर्ण कविताओं की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया।

बच्चों की प्रस्तुतियों में अपनी माताओं के प्रति प्रेम, स्नेह एवं सम्मान की सुंदर झलक देखने को मिली। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण माँ और बच्चों की यादों पर आधारित एक भावनात्मक वीडियो प्रस्तुति रही, जिसने उपस्थित सभी अभिभावकों को भावुक कर दिया।

इस दौरान माताओं ने भी मंच पर नृत्य प्रस्तुत कर उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपने अनुभव एवं यादें सभी के साथ साझा कीं। चेयरमैन डॉ. विक्रम गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि माँ बच्चे की पहली गुरु होती है और उसके संस्कारों एवं व्यक्तित्व निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उन्होंने विद्यालय द्वारा आयोजित इस सुंदर कार्यक्रम की सराहना की। विद्यालय की ट्रस्टी श्रीमती अनीशा गांधी ने मातृ दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी माताओं को शुभकामनाएँ दीं।

उन्होंने कहा कि माँ का प्रेम निस्वार्थ एवं अनमोल होता है तथा समाज और परिवार की मजबूत नींव माताएँ ही होती हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. ज्योति सिरोही ने सभी माताओं एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि माताएँ बच्चों के जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा होती हैं। उन्होंने कहा कि माँ केवल जन्म ही नहीं देती, बल्कि अपने संस्कारों, प्रेम और त्याग से बच्चे के व्यक्तित्व का निर्माण भी करती है। कार्यक्रम का समापन विद्यालय के हैडमास्टर अंकित गालयान के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

पूरे आयोजन में प्रेम, स्नेह एवं भावनाओं की सुंदर अभिव्यक्ति देखने को मिली। यह कार्यक्रम सभी माताओं, विद्यार्थियों एवं उपस्थित अतिथियों के लिए एक यादगार अनुभव बन गया। यह आयोजन प्रेम, सम्मान और भावनाओं से परिपूर्ण रहा तथा सभी के लिए अविस्मरणीय बन गया।

पानी के लिए तरसा वार्ड-58: 5 दिन से बूंद-बूंद को मोहताज जनता, नगर निगम की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। विधानसभा 56 के अंतर्गत वार्ड नंबर 58 में पेयजल संकट ने विकराल रूप ले लिया है। क्षेत्रीय जनता पिछले लगभग पाँच दिनों से गंभीर जल संकट का सामना कर रही है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद नगर निगम प्रशासन द्वारा समस्या के समाधान को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। लोगों में इस बात को लेकर गहरा आक्रोश व्याप्त है कि इतनी गंभीर समस्या के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी उदासीन बने हुए हैं। क्षेत्रवासियों ने बताया कि वे लगातार पार्षद देवनारायण शर्मा से संपर्क कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। पानी की कमी के कारण महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पीने के पानी से लेकर घरेलू कार्यों तक सभी गतिविधियाँ बाधित हो गई हैं। नागरिकों ने सवाल उठाया है कि जब पेयजल व्यवस्था सुधारने के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, तब भी जनता को बुनियादी सुविधा के लिए भटकना क्यों पड़ रहा है। लोगों ने नगर निगम और संबंधित विभागों से तत्काल हस्तक्षेप कर समस्या के समाधान की मांग की है। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पेयजल आपूर्ति बहाल नहीं की गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है तथा जनआंदोलन की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

आजम खान और अब्दुल्लाह आजम को न्याय मिलना भारतीय लोकतंत्र की परीक्षा

वेलकम इंडिया संवाददाता

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक ने भारत की महामहिम राष्ट्रपति को एक मार्मिक संवैधानिक पत्र भेजकर वरिष्ठ समाजवादी नेता तथा की रिहाई, निष्पक्ष न्याय एवं संवैधानिक संरक्षण की मांग की है।

अपने बयान में मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भारत का लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं, बल्कि न्याय, संवैधानिक मयार्दा और राजनीतिक निष्पक्षता से मजबूत होता है।

उन्होंने कहा कि मोहम्मद आजम खान साहब उत्तर प्रदेश की राजनीति का एक ऐतिहासिक नाम हैं, जिन्हें दस बार विधायक चुने जाने का गौरव प्राप्त है।

वे दो बार सांसद, चार बार मंत्री तथा नेता प्रतिपक्ष जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों पर रह चुके हैं। उनका लगभग पाँच दशकों का सार्वजनिक जीवन लोकतांत्रिक संघर्ष, सामाजिक न्याय, धार्मिक सौहार्द और सर्वधर्म समभाव का प्रतीक रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 तक आजम खान साहब के विरुद्ध कोई गंभीर आपराधिक इतिहास नहीं था, किंतु लोकसभा चुनाव जीतने के बाद उनके तथा उनके परिवार पर बड़ी संख्या में मुकदमे दर्ज किए गए, जिसने लोकतंत्र की निष्पक्षता और न्यायिक प्रक्रिया को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा: 'आज यह केवल दो व्यक्तियों की स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह गया है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र, संविधान और न्याय व्यवस्था की आत्मा से जुड़ा हुआ विषय बन चुका है।

यदि लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक मतभेदों के कारण प्रताड़ना का वातावरण बनेगा, तो यह संविधान की मूल भावना के लिए चिंताजनक संकेत होगा।' उन्होंने भारत सरकार और संवैधानिक संस्थाओं से अपील करते हुए कहा कि न्याय में विलंब लोकतंत्र को कमजोर करता है तथा निष्पक्ष हस्तक्षेप समय की आवश्यकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि इतिहास हर संवैधानिक निर्णय को दर्ज करता है और न्याय के पक्ष में उठाया गया प्रत्येक कदम लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूत करता है।

प्रेस विज्ञप्ति में यह भी घोषित किया गया कि दिनांक 17 मई 2026 को प्रातः 10 बजे पर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण धरना आयोजित किया जाएगा, जिसमें देशभर से लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक न्याय में विश्वास रखने वाले लोग सम्मिलित होंगे।

धरना प्रदर्शन के उपरांत एक दस सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल महामहिम राष्ट्रपति से भेंट कर पूरे प्रकरण से अवगत कराने का प्रयास करेगा। मोहम्मद अरशद खान ने महामहिम राष्ट्रपति से अनुरोध किया कि लोकतंत्र और न्याय की रक्षा हेतु प्रतिनिधिमंडल को मिलने का समय प्रदान किया जाए तथा मामले में संवैधानिक हस्तक्षेप कर न्याय सुनिश्चित किया जाए।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर जिलाधिकारी का संदेश: 'मानवता की सेवा ही सच्चा धर्म, पारदर्शिता से मजबूत होगा विश्वास'

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, गाजियाबाद शाखा की नवगठित कार्यकारिणी समिति द्वारा विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी गाजियाबाद श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नव नियुक्त सभापति डॉ. अंजुल अग्रवाल, सचिव डॉ. किरण गर्ग, डिप्टी सीएमओ सहित कार्यकारिणी के सदस्य मौजूद रहे। रेडक्रॉस सोसाइटी के संस्थापक जॉन हेनरी ड्यूनेंट के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 08 मई को विश्व रेडक्रॉस दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम 'मानव बंधुत्व' के अनुरूप कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थापक के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ ने कहा कि समाज में अनेक लोग सेवा करना चाहते हैं, लेकिन जरूरतमंदों तक पहुंचने का सही माध्यम न होने के कारण सहायता समय पर नहीं पहुंच पाती। ऐसे में रेडक्रॉस जैसी संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि संस्था को अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी, जिससे आमजन का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो सके। उन्होंने सभी सक्षम संस्थाओं, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों से रेडक्रॉस को सहयोग देने की अपील की, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाई जा सके। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने नवगठित कार्यकारिणी समिति को निर्देश दिए कि वे शीघ्र नई कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह समिति जनपद में रेडक्रॉस की गतिविधियों को नई दिशा और ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

डीएम कंपाउंड में ट्रैफिक व्यवस्था का एडीसीपी ने लिया जायजा, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शहर में यातायात व्यवस्था को और अधिक सुचारु एवं सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से अपर पुलिस उपायुक्त यातायात वरुण सिंह ने सहायक पुलिस आयुक्त यातायात रितेश त्रिपाठी तथा पुलिस बल के साथ डीएम कंपाउंड पहुंचकर यातायात व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने डीएम कंपाउंड परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों में यातायात संचालन, पार्किंग व्यवस्था, बैरिकेडिंग, वाहन आवागमन तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया। इस दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि आम नागरिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

अपर पुलिस उपायुक्त यातायात ने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों एवं संबंधित कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यातायात व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए निरंतर सतर्कता बरती जाए।

उन्होंने अवैध पार्किंग रोकने, वाहनों की सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पार्किंग स्थलों की स्थिति का अवलोकन कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने पर भी जोर दिया। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल को पूरी तरह मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए। यातायात अधिकारियों ने कहा कि शहर में बढ़ते वाहन दबाव को देखते हुए समय-समय पर निरीक्षण अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर बनी रहे और नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

पुलिस मुठभेड़ में अंतर्राज्यीय स्नैचर गैंग दबोचा, एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के थाना शालीमार गार्डन पुलिस ने शुक्रवार तड़के मुठभेड़ के दौरान अंतर्राज्यीय स्नैचर गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की।

मुठभेड़ में एक बदमाश पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका साथी भागने की कोशिश के दौरान दबोच लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, डीएवी कट के पास संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक वजीराबाद रोड की ओर से आते दिखाई दिए।

पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन दोनों बदमाश खेतान स्कूल ग्राउंड के पीछे प्रेम गली की ओर भागने लगे। जल्दबाजी में उनकी बाइक फिसलकर गिर गई।

इस दौरान पीछे बैठे बदमाश ने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी, जबकि बाइक चालक अंधेरे का फायदा उठाकर भागने लगा, जिसे पुलिस ने कुछ दूरी पर पकड़ लिया। घायल बदमाश की पहचान वरुण उर्फ शेरू उर्फ गिरगिट निवासी सोनीपत, हरियाणा के रूप में हुई है, जबकि उसके साथी का नाम मोहम्मद आमिर उर्फ खन्ना निवासी न्यू मुस्तफाबाद, दिल्ली बताया गया है। पुलिस ने घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया।

पुलिस को आरोपियों के कब्जे से एक चोरी की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल, एक देशी तमंचा .315 बोर, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस तथा एक पीली धातु का लॉकेट बरामद हुआ है।

बरामद मोटरसाइकिल दिल्ली के दयालपुर थाना क्षेत्र से चोरी की बताई गई है। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपी लूट और स्नैचिंग की कई घटनाओं में शामिल रहे हैं। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

खेलते-खेलते काल के पहिए तले कुचला मासूम: शाहपुर बम्हैटा हादसे से दहला गाजियाबाद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के थाना वेवसिटी क्षेत्र स्थित शाहपुर बम्हैटा में शुक्रवार सुबह एक बेहद दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। खेलते-खेलते सड़क पर पहुंचे महज साढ़े तीन साल के मासूम की मैजिक लोडर की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह करीब 9:30 बजे बच्चा घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान वह अचानक सड़क पर आ गया और सामने से गुजर रहे मैजिक लोडर के आगे वाले पहिये के नीचे आ गया। घटना इतनी अचानक हुई कि चालक वाहन रोक नहीं सका। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत बच्चे को उठाकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें साफ दिखाई दे रहा है कि बच्चा अचानक वाहन के सामने आ गया था। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार वादी नरेंद्र यादव की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है तथा आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

बंद पड़ी फैक्ट्री में भड़की भीषण आग, केमिकल ड्रम बने आग का गोला

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राजपुर ब्लॉक के पास स्थित एक बंद पड़ी पेंट कंपनी में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब परिसर में रखे केमिकल के ड्रमों में अचानक आग लग गई। केमिकल होने के कारण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया और दूर-दूर तक धुएं का गुबार दिखाई देने लगा। स्थानीय लोगों ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी।

सूचना मिलते ही कोतवाली फायर स्टेशन से चार दमकल गाड़ियां और वैशाली फायर स्टेशन से दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर विभाग के अधिकारियों के अनुसार आग लगने से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। हालांकि आग के कारण परिसर में रखा सामान जलकर राख हो गया। एहतियात के तौर पर आसपास के क्षेत्र को कुछ समय के लिए खाली कराया गया। प्राथमिक जांच में माना जा रहा है कि आग केमिकल ड्रमों में किसी तकनीकी कारण या ज्वलनशील पदार्थ के संपर्क में आने से लगी हो सकती है। फिलहाल फायर विभाग और संबंधित अधिकारी आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच में जुटे हुए हैं।

हर घर तक पहुंचे न्याय का संदेश: राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने सड़क पर उतरे जिला जज विनोद सिंह रावत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आगामी 09 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन एवं व्यापक जनजागरूकता के उद्देश्य से शुक्रवार को गाजियाबाद में भव्य जागरूकता रैली एवं पदयात्रा निकाली गई।

जिला जज/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद श्री विनोद सिंह रावत ने स्वयं पदयात्रा में शामिल होकर लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व से अवगत कराया। यह पदयात्रा जनपद न्यायाधीश के आवासीय परिसर से शुरू होकर नेहरू स्टेडियम गेट नंबर-2 पर जाकर संपन्न हुई। कार्यक्रम का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), गाजियाबाद द्वारा किया गया। रैली का उद्देश्य आमजन

को सुलभ, त्वरित और कम खर्च में न्याय दिलाने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में डीएलएसए सचिव श्रीमती नेहा बनौधिया, न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण, न्यायालय कर्मचारी, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। सैकड़ों लोगों ने रैली में भाग लेकर राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रति अपना उत्साह और समर्थन व्यक्त किया। जिला जज श्री विनोद सिंह रावत ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत न्याय पाने का एक सरल और प्रभावी माध्यम है, जहां आपसी सहमति से मामलों का त्वरित निस्तारण किया जाता है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में राष्ट्रीय लोक अदालत में पहुंचकर अपने मामलों का समाधान कराने की अपील की।

उन्होंने कहा कि लोक अदालतें न केवल समय और धन की बचत करती हैं, बल्कि न्याय व्यवस्था को भी अधिक जनसुलभ और प्रभावी बनाती हैं।

इस जागरूकता रैली के माध्यम से आमजन तक यह संदेश पहुंचाने का प्रयास किया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत विवादों के शांतिपूर्ण और त्वरित समाधान का मजबूत मंच है।

डिजिटल जाल में फंसे साइबर ठग, टीला मोड़ पुलिस ने 50 हजार रुपये कराए वापस

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद में साइबर अपराधियों के खिलाफ टीला मोड़ पुलिस और साइबर सेल ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए ऑनलाइन ठगी के शिकार व्यक्ति की 50 हजार रुपये की पूरी रकम वापस कराई है। यह कार्रवाई कमिश्नरेट गाजियाबाद की साइबर अपराध पर सख्त निगरानी और त्वरित कार्रवाई का उदाहरण मानी जा रही है। बताया गया है कि 13 अप्रैल 2026 को टीला मोड़ क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गया था। पीड़ित ने तुरंत NCRP पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद साइबर सेल और थाना टीला मोड़ पुलिस ने मामले की तकनीकी जांच शुरू की।

पुलिस टीम ने डिजिटल ट्रांजेक्शन, बैंकिंग डिटेल और ऑनलाइन ट्रेल की गहन पड़ताल करते हुए ठगी गई रकम को ट्रेस किया। लगातार प्रयासों और समन्वय के बाद 7 मई 2026 को पीड़ित की पूरी धनराशि वापस करा दी गई। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल, लिंक, OTP या संदिग्ध ऑनलाइन लेनदेन से सतर्क रहें। साथ ही किसी भी साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत NCRP पोर्टल या पुलिस हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं। इस सफल कार्रवाई के बाद पीड़ित ने टीला मोड़ पुलिस और साइबर सेल टीम का आभार जताया। वहीं पुलिस का साफ संदेश है कि अब साइबर ठगों के लिए डिजिटल दुनिया में छिपना आसान नहीं रह गया है।

विकास योजनाओं की प्रगति की सीडीओ ने की गहन समीक्षा, रोजगारपरक योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ द्वारा विकास भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, राजकीय पॉलिटेक्निक तथा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गाजियाबाद द्वारा संचालित विभिन्न रोजगारपरक एवं प्रशिक्षण आधारित योजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई।

सीडीओ महोदय द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष अब तक की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित आवेदनों के शीघ्र निस्तारण के सख्त निर्देश दिए गए। उन्होंने विशेष रूप से मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना एवं मुख्यमंत्री उद्यमी विकास अभियान योजना के अंतर्गत बैंकों को प्रेषित आवेदनों पर तेज कार्रवाई सुनिश्चित कराने हेतु संबंधित बैंक अधिकारियों से समन्वय स्थापित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचे, इसके लिए विभागीय स्तर पर प्रभावी अनुश्रवण आवश्यक है।

बैठक में उपायुक्त उद्योग श्री आशुतोष सिंह, प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गाजियाबाद, प्रधानाचार्य राजकीय पॉलिटेक्निक गाजियाबाद तथा जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी श्री कुलमोहित सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पॉक्सो मामले में दोषी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास व 1,00,500 का अर्थदण्ड

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ऑपरेशन कन्विक्शन के अंतर्गत कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस द्वारा की गई सशक्त एवं प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप एक गंभीर पॉक्सो मामले में आरोपी को कठोर सजा दिलाई गई है। पुलिस आयुक्त के दिशा-निर्देशन में गठित कन्विक्शन सेल के निरंतर प्रयासों तथा विवेचक निरीक्षक श्री मुनेन्द्र सिंह (तत्कालीन थाना नन्दग्राम) द्वारा वैज्ञानिक व साक्ष्य आधारित विवेचना के साथ-साथ विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो एक्ट) श्री उत्कर्ष वत्स की प्रभावी दलीलों के परिणामस्वरूप न्यायालय ने यह ऐतिहासिक निर्णय सुनाया।

थाना नन्दग्राम पर पंजीकृत मुकदमा धारा 323/376 भादवि एवं धारा 3/4 पॉक्सो अधिनियम में अभियुक्त अयान उर्फ लक्की पुत्र मौ0 रफीक, निवासी आदर्श नगर, थाना नन्दग्राम, जिला गाजियाबाद को मा० न्यायालय विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट)/अपर सत्र न्यायाधीश द्वारा दोषसिद्ध पाते हुए दिनांक 08.05.2026 को निम्न दंड से दंडित किया गया– धारा 376(3) भादवि में 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं ₹1,00,000 का अर्थदण्ड। धारा 323 भादवि में 01 वर्ष का सश्रम कारावास एवं ₹500 का अर्थदण्ड। इस प्रकार अभियुक्त को कुल 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं ₹1,00,500 का अर्थदण्ड भुगतना होगा। पुलिस की प्रभावी विवेचना, मजबूत साक्ष्य संकलन एवं न्यायालय में सटीक पैरवी के चलते यह सजा संभव हो सकी, जो अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

पुलिसिंग को सुदृढ़ करने की पहल: अतिरिक्त पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में गोष्ठी, जनहित व अपराध नियंत्रण पर जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शहर में पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण गोष्ठी का आयोजन किया गया। थाना कोतवाली कार्यालय में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता राजकरन नैय्यर, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था/यातायात) ने की। बैठक में सर्किल कोतवाली और वेवसिटी क्षेत्र के सभी चौकी प्रभारी एवं हल्का प्रभारी मौजूद रहे। इस दौरान सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली और सहायक पुलिस आयुक्त वेवसिटी भी उपस्थित रहे।

गोष्ठी के दौरान पुलिसिंग व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाए और उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में बीट पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने, नियमित गश्त बढ़ाने तथा स्थानीय नागरिकों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष बल दिया गया। इसके साथ ही ऑपरेशन प्रहार के अंतर्गत अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की रणनीति पर जोर दिया गया। अधिकारियों को जनशिकायतों के पारदर्शी और प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए गए। साथ ही लंबित गैर-जमानती वारंट की शत-प्रतिशत तामील और फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए सीनियर सिटीजन सेल को और अधिक सक्रिय बनाने पर भी बल दिया गया। इसके अलावा महिला अपराधों की रोकथाम और पीड़ित महिलाओं को शीघ्र न्याय दिलाने के लिए संवेदनशीलता के साथ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने रात्रि गश्त को अधिक सघन और व्यवस्थित बनाने पर भी जोर दिया, ताकि रात्रिकालीन अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके। बैठक का मुख्य उद्देश्य पुलिस व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाना, अपराध नियंत्रण को प्रभावी करना तथा आमजन के बीच सुरक्षा और विश्वास की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना रहा।

प्रधानमंत्री संग्रहालय में गाजियाबाद के दिनेश शर्मा का सम्मान, फिलेटली के क्षेत्र में रचा नया इतिहास

एनके शर्मा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री संग्रहालय के चौथे स्थापना दिवस के अवसर पर डाक विभाग एवं प्रधानमंत्री संग्रहालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित छह दिवसीय राष्ट्रीय डाक टिकट प्रदर्शनी में गाजियाबाद के वरिष्ठ फिलेटलिस्ट दिनेश शर्मा को सम्मानित किया गया। 14 अप्रैल से 19 अप्रैल 2026 तक आयोजित इस प्रदर्शनी का विषय 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' रखा गया था, जिसके माध्यम से डाक टिकटों के जरिए आधुनिक और विकसित भारत की झलक प्रस्तुत की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया थे। प्रदर्शनी में देशभर के प्रतिष्ठित फिलेटलिस्टों एवं संगठनों ने भाग लिया, जिनमें केरल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बेंगलुरु तथा दिल्ली-एनसीआर से आए डाक टिकट संग्राहकों ने अपने दुर्लभ संग्रहों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी को दर्शकों एवं विशेषज्ञों द्वारा व्यापक सराहना प्राप्त हुई।

फिलेटलिक सोसायटी ऑफ दिल्ली के छह सदस्यों ने अपने विशेष संग्रह प्रस्तुत किए। इनमें अध्यक्ष हरजीत सिंह कटारिया, उपाध्यक्ष मृदुल शर्मा, कॉर्डिनेटर मधुकर झिंगन, सदस्य सविता झिंगन, रेनू गुप्ता तथा दिनेश शर्मा शामिल रहे। सभी प्रतिभागियों को डाक विभाग के सीपीएमजी कर्नल अखिलेश कुमार पाण्डेय एवं प्रधानमंत्री संग्रहालय के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर फिलेटलिक सोसायटी ऑफ दिल्ली के प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री संग्रहालय के चेयरमैन नृपेन्द्र मिश्रा, सीईओ डॉ. प्रियंका मिश्रा तथा निदेशक अश्विनी लोहानी को स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि दिनेश शर्मा इससे पूर्व Australia Stamp Show 2020, Germany World Stamp Exhibition 2023 तथा Thailand Asian International Stamp Exhibition 2025 में लार्ज रजत पदक एवं प्रशस्ति पत्र प्राप्त कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत, उत्तर प्रदेश और गाजियाबाद का नाम रोशन कर चुके हैं। उनके योगदान को देखते हुए उन्हें India Book of Records एवं Limca Book of Records द्वारा वर्ष 2023 में सम्मानित किया गया था। इसके अतिरिक्त हाल ही में आयोजित World50 Global Summit में उन्हें नोबेल आइकॉन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया तथा Yashopex 26 में भी विशेष सम्मान प्राप्त हुआ।

दिनेश शर्मा ने बताया कि वे पिछले सात-आठ वर्षों से पोस्टल स्टेशनरी का संग्रह कर रहे हैं और फिलेटली को भारतीय इतिहास एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का प्रभावी माध्यम मानते हैं। उन्होंने अपनी उपलब्धियों का श्रेय फिलेटलिक सोसायटी ऑफ दिल्ली के वरिष्ठ सदस्यों के मार्गदर्शन एवं सहयोग को दिया तथा सभी शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कमर्शियल वाहनों पर परिवहन विभाग सख्त, ट्रैकिंग सिस्टम और रोड टैक्स नियमों का पालन जरूरी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। परिवहन विभाग ने जनपद में संचालित कमर्शियल वाहनों के लिए ट्रैकिंग सिस्टम लगाना अनिवार्य कर दिया है। एआरटीओ अशोक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि वर्ष 2019 से पहले के सभी कमर्शियल वाहनों में भी अब ट्रैकिंग सिस्टम लगाया जा रहा है। इसके लिए विभाग द्वारा डीलरों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि नई कमर्शियल गाड़ियां पहले से ही ट्रैकिंग सिस्टम के साथ आ रही हैं, जबकि पुराने वाहनों में चरणबद्ध तरीके से यह सिस्टम लगाया जाएगा। विभाग का उद्देश्य वाहनों की बेहतर मॉनिटरिंग, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करना और परिवहन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाना है। एआरटीओ ने वाहन स्वामियों से अपील करते हुए कहा कि परिवहन विभाग के सभी नियमों का पालन करें तथा प्रदूषण नियंत्रण के प्रति भी जागरूक रहें। साथ ही रोड टैक्स समय से जमा कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी दी कि रोड टैक्स की अवधि समाप्त होने के बाद देरी होने पर प्रतिदिन 100 रुपये की पेनल्टी लगाई जा रही है। परिवहन विभाग की इस कार्रवाई से कमर्शियल वाहन चालकों और स्वामियों में नियमों के पालन को लेकर सतर्कता बढ़ी है।